जयपुर, अलवर एवं भरतपुर से एक साथ प्रकाशित दैनिक

अरुणप्रभा

केन्द्र व राज्य से विज्ञापनों के लिए मान्य

अभिनव हिन्दी दैनिक

■ अलवर ■ खैरथल
■ कोटकासिम ■ गोविन्दगढ़
■ बहरोड़ ■ भिवाड़ी
■ राजगढ़ ■ बानसूर
■ मालाखेड़ा
■ किशनगढ़बास
■ रामगढ़ ■ थानागाजी

नारायणपुर से प्रयागराज महाकुंभ के लिए बस सेवा शुरू

नारायणपुर (नि.सं.)। नारायणपुर के श्रद्धालुओं के लिए एक अच्छी खबर है। पटेल ट्रेवल्स ने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ के लिए विशेष बस सेवा शुरू की है, जिससे स्थानीय लोग भी आसानी से इस भव्य आयोजन में शामिल हो सकेंगे। यह बस सेवा पुरुषोत्तम मार्केट, नारायणपुर से संचालित होगी और श्रद्धालुओं को तीन दिन के यात्रा पैकेज के तहत महाकुंभ के दर्शन का अवसर मिलेगा। इस यात्रा के लिए प्रति यात्री किराया मात्र 2,000 रुपये रखा गया है, जो कि श्रद्धालुओं के लिए एक किफायती विकल्प है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को आरामदायक सफर का अनुभव मिलेगा, जिससे वे बिना किसी परेशानी के अपने आध्यात्मिक सफर का आनंद उठा सकेंगे। पटेल ट्रेवल्स की बस 15, 19 और 24 फरवरी को नारायणपुर से प्रयागराज के लिए रवाना होगी। जो भी श्रद्धालु इस सेवा का लाभ उठाना चाहते हैं, वे पुरुषोत्तम मार्केट स्थित पटेल ट्रेवल्स के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं और अपनी सीट सुरक्षित कर सकते हैं।

arunprabha28@gmail.com ■ अलवर, शनिवार, 15 फरवरी 2025 ■ वर्ष 44 ■ अंक 222 ■ पृष्ठ 6 ■ मूल्य 1.50 रुपये arunprabha01@yahoo.com

अलवर बाल कल्याण समिति पर सरकार का बड़ा एक्शन

समिति अध्यक्ष सहित दो सदस्यों का मनोनयन किया निरस्त, जिला कलेक्टर ने तीन सदस्यों की बनाई जांच कमेटी

अलवर (का.सं.)

अलवर शहर के आरती बालिका गृह में बीमारी के इलाज के अभाव में 12 वर्षीय लड़की की मौत के मामले में राज सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए अलवर बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष और दो सदस्यों काम मनोरंजन तत्काल प्रभाव से निरस्त किया गया है बालिका की मौत के मामले में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष और सदस्यों की भूमिका संदेश पाई गई है ऐसे मामले में इस राज्य सरकार ने बड़ी गंभीरता से लिया और तत्काल प्रभाव से तीनों का मनोनींद्र रद्द कर दिया। राजस्थान सरकार ने 19.3.2023 को बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष पद पर राजेश शर्मा और सदस्य के रूप में भूपेंद्र सैनी और सुरज्ञान सिंह जाट को 3 साल के लिए मनोनीत किया था। किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 27 के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना क्रमांक 60497 दिनांक 09.03.2023 के माध्यम से बाल कल्याण समिति, अलवर में अध्यक्ष पद पर राजेश शर्मा तथा सदस्य पद पर भूपेन्द्र सैनी एवं सुरज्ञान सिंह जाट का 3 वर्ष के लिये मनोनयन किया गया है। बाल कल्याण समिति, अलवर के अध्यक्ष राजेश शर्मा तथा सदस्य भूपेन्द्र सैनी एवं सुरज्ञान सिंह जाट द्वारा अधिनियम की धारा 27 के तहत बाल कल्याण समिति को प्रदत्त शक्तियों का दुरूपयोग तथा आदर्श नियम, 2016 के नियम 93 एवं विभागीय आदेशों की गैर अनुपालना करते हुए पारिवारिक न्यायालय के क्षेत्राधिकार में आने वाले प्रकरण में हस्तक्षेप किया गया है। आदर्श नियम, 2016 के नियम 15(4) में वर्णित प्रावधानों के तहत सम्यक जांच उपरान्त राजेश शर्मा का बाल कल्याण समिति, अलवर के अध्यक्ष तथा भूपेन्द्र सैनी एवं सुरज्ञान सिंह जाट का सदस्य के पद से राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक 6049 दिनांक 09.03.2023 के माध्यम से किया गया मनोनयन तत्काल समाप्त किया जाता है।

आरती बालिका गृह के प्रकरण की जांच हेतु कमेटी गठित

जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आरती बालिका गृह अलवर में निवासरत बालिका की मृत्यु के संबंध में प्रकरण की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। तीन सदस्यीय जांच कमेटी में सहायक कलक्टर अलवर श्रीमती सुनीता यादव को अध्यक्ष तथा जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. कपिल भारद्वाज एवं कलक्ट्रेट के सहायक लेखाधिकारी रजनीश अरोडा को सदस्य नियुक्त किया गया है। उन्होंने जांच कमेटी को उक्त घटना की विस्तृत जांच रिपोर्ट अविलम्ब प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया है।

जिले के बैंकों के जिला समन्व्यकगण एवं विभागों के प्रतिनिधियों के साथ राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में बैठक आयोजित

अलवर (का.सं.)

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर द्वारा 8 मार्च को जिले के समस्त न्यायालयों में लम्बित प्रकरण या विवाद पूर्व प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रीलिटिगेशन प्रकरणों के लिए अलवर जिले के बैंकों के जिला समन्व्यकगण एवं विभागों के प्रतिनिधिगण के साथ बैठक का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर के सचिव एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश मोहन लाल सोनी ने बताया कि उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रिलिटिगेशन प्रकरणों में धारा 138 परक्राम्य विलेख अधिनियम के प्रकरण, धन वसूली से सम्बंधित प्रकरण, श्रम एवं नियोजन सम्बन्धी विवादों के प्रकरण, बिजली-पानी एवं अन्य बिल भुगतान से सम्बंधित प्रकरण (अशमनीय के अलावा), भरण पोषण से सम्बंधित प्रकरण, अन्य प्रकरण (दाण्डिक शमनीय एवं अन्य सिविल प्रकरण) लंबित प्रकरणों में अंतर्गत दाण्डिक शमनीय प्रकरण, धारा 138 परक्राम्य विलेख अधिनियम के प्रकरण, बैंक रिकवरीध्धन वसूली के प्रकरण, एमएसीटी मामले, वैवाहिक विवाद (तलाक को छोडकर), श्रम एवं नियोजन सम्बन्धी विवादों के प्रकरण, बिजली-पानी एवं अन्य बिल भुगतान से सम्बंधित प्रकरण (अशमनीय के अलावा), भूमि अधिग्रहण से सम्बंधित प्रकरण (सिविल न्यायालयध्अधिकरण में लंबित), मजदूरी, भत्ते और पैंशन भत्तों से सम्बंधित सेवा मामले, राजस्व मामले (केवल जिला न्यायालय एवं उच्च न्यायालय में लंबित) एवं अन्य सिविल मामले (किराया, सुखाधिकार, निषेधाज्ञा दावे एवं विनिर्दिष्ट पालना दावे) आदि प्रकृति के विभिन्न न्यायालयो में लंबित प्रकरण चिन्हित किये जा रहे है, इसके लिए उपरोक्त प्रकरणों में वर्तमान में दोनों माध्यमों (ऑनलाइन एवं ऑफलाइन) से राजीनामें व आपसी समझाइश से निस्तारण के प्रयास किए जाऐंगे। बैठक के दौरान कार्यालय को ज्यादा से ज्यादा प्री-लिटिगेशन प्रकरण प्रस्तुत करने, कार्यालय एवं बैंक के स्तर पर पूर्व-सुलह वार्ता करवाए जाने एवं ऋण छूट की आकर्षक स्कीम विरोधी पक्षकारान् के सम्मुख प्रस्तुत कर मामले को सुलहवार्ता के माध्यम से लोक अदालत में निपटाए जाने के निर्देश प्रदान किए। मीटिंग में विभिन्न सरकारी-अर्द्धसरकारी विभाग, निजी बैंक जिनमें एसबीआई, पंजाब नेशनल बैंक, बीओबी, बीआरकेजीबी, बीएसएनएल, कॉपोरेटिव बैंक, एचडीएफसी बैंक, यूनियन बैंक, लीड बैंक आदि के सर्वोच्च पदाधिकारीगण एवं नगर निगम, यूआईटी, पीएचईडी, जेवीवीएनएल, बीएसएनएल के अधिकारी उपस्थित रहे।

पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री ने ज्योति कलश रथ यात्रा को ध्वज लहराकर किया रवाना, गुरूद्वारे में पहुंचकर गुरूजनों का लिया आशीर्वाद

अलवर (का.सं.)

पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने जगन्नाथ मंदिर से ज्योति कलश रथ यात्रा की पूजा-अर्चना कर व पुष्प अर्पित कर देश व प्रदेश की खुशहाली की मंगल कामना की तथा रथ यात्रा को ध्वज लहराकर रवाना किया। इस दौरान रथ यात्रा में बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। वन मंत्री शर्मा ने कहा कि सनातन संस्कृति में धार्मिक आयोजनों का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से समाज में धार्मिक सौहार्द के साथ भाईचारे की भावना को बढावा मिलता है। रथ यात्रा जगन्नाथ मंदिर से शुरू होकर त्रिपोलिया, होपसर्कस, पुलिस कंट्रोल रूम होते हुए गायत्री मंदिर पर पहुंचकर सम्पन्न हुई। उल्लेखनीय है कि ज्योति कलश रथ यात्रा भरतपुर से अलवर गुरूवार को पहुंची थी।

गुरूमुख सम्मेलन में शिरकत कर लिया आशीर्वाद

मंत्री शर्मा ने मनुमार्ग स्थित गुरुद्वारे में चल रहे 101वें गुरुमुख सम्मेलन में सम्मिलित होकर महाराज संतरेन डॉ. हरभजन शाह सिंह से आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने पुरुषार्थी समाज द्वारा लगाई गई सेवार्थ प्याऊ में श्रद्धालुओं को जल पिलाकर मानवता की सेवा का संदेश दिया। उन्होंने मातृवन में पहुंचकर अपने प्रतिदिन पौधारोपण के लिए गए संकल्प के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण के लिए पौधारोपण करना बेहद आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षित रहेगा तभी प्रकृति का संतुलन बना रहेगा। उन्होंने आमजन से अपील की है कि प्रकृति के प्रति अपनी कृतज्ञता निभाते हुए अधिकाधिक पौधारोपण करें।

सार-समाचार

डकैती के मुख्य आरोपी को पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट पर लिया, आरोपी दो दिन के रिमांड पर

नारायणपुर (नि.सं.)। पुलिस ने डकैती के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह आरोपी पहले से ही गोपालपुरा कोटपुतली जेल में बंद था, जिसे अदालत से प्रोडक्शन वारंट लेकर नारायणपुर पुलिस ने हिरासत में लिया। इस मामले में पहले चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी थी, जबकि यह पांचवा और मुख्य आरोपी था। थाना प्रभारी ओमप्रकाश मीणा ने बताया कि 5 अक्टूबर को कोलाहेड़ा निवासी कैलाश गुप्ता और उनके बेटे हिमांशु के साथ लूट की वारदात हुई थी। जब वे दुकान बंद करके घर लौट रहे थे, तब कोलाहेड़ा मार्ग पर अपाची बाइक पर सवार बदमाशों ने उनकी मोटरसाइकिल रोककर मारपीट की और बैग में रखे 30 हजार रुपये लूटकर फरार हो गए थे। गुरुवार को पुलिस ने इस मामले के मुख्य आरोपी अंकित गुर्जर (19) पुत्र भोमाराम गुर्जर निवासी लूजोता, महेंद्रगढ़ (हरियाणा) को गिरफ्तार किया। आरोपी पहले से ही अन्य मामलों में गोपालपुरा कोटपुतली जेल में बंद था। मामले की जांच और अन्य आरोपियों से पूछताछ के लिए पुलिस ने अदालत से प्रोडक्शन वारंट प्राप्त किया और आरोपी को जेल से लाकर पूछताछ शुरू की। शुक्रवार को आरोपी अंकित गुर्जर को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से पुलिस ने उसे दो दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस अब उससे लूटी गई रकम, वारदात में शामिल अन्य बदमाशों और घटना की साजिश को लेकर गहन पूछताछ कर रही है।

101 पेटी अवैध शराब की बरामद की, शराब माफिया फरार

अलवर (का.सं.)। जिले की नौगावा व रामगढ़ थाने की पुलिस ने सयुंक्त कार्यवाही करते हुए पंजाब निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब की 101 पेटियां बरामद की है। नौगांवा थानाधिकारी अजीत सिंह बडसरा ने बताया कि रामगढ़ थानाधिकारी विजेंद्र सिंह ने क्षेत्र मे अवैध अंग्रेजी शराब की सूचना दी थी, जिस पर नौगांवा एवं रामगढ़ का पुलिस जाब्ता अलवाडिया बास से चौमा जाने वाले रास्ते पर पहुंचा, जहाँ सड़क किनारे आग जलती हुई मिली। सड़क किनारे एकमोटरसाईकिल खडी थी और कुछ शराब की पेटीयां रखी थी। पेटीयों में पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब की बोतले एवं पव्वें भरे हुए थे। शराब माफिया एवं उनके साथी अँधेरे का फायदा उठाकर सरसो के खेतों मे भाग गए। खोजबीन करने पर सरसो के खेतों मे दोनों तरफ शराब की और पेटियां बरामद की गई। पेटीयों में रॉयल चैलेंज, मैकडोवेल्स विस्की की बोलते एवं पव्वा मिले। मोटरसाईकिल की जाँच करने पर पता चला की उसपर फर्जी नम्बर प्लेट लगा रखी थी और चेसिस नम्बर भी अलग थे। संभवत्या मोटरसाईकिल चोरी की है। मोटरसाईकिल को जब्त कर 101 पेटियां अवैध अंग्रेजी शराब की बरामद की गई। नौगांवा थाने मे मामला दर्ज किया गया।

बानसूर में एक रात में हुए चार सड़क हादसे

बानसूर (नि.सं.)। क्षेत्र में गुरूवार देर शाम को चार अलग-अलग हादसों में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बानसूर के बुटेरी टोल पर तेज रफ्तार ट्रक पलट गया, जिसमें ट्रक चालक घायल हो गया। दूसरा सड़क हादसा कोटपूतली रोड़ पर दो बाइकों में टक्कर हो गई, जिसमें एक व्यक्ति सागीर अहमद घायल हो गया, वहीं तीसरा हादसा अलवर रोड पर कटारिया का बास में हुआ, जहां ब्रेकर पर बाइक असुंतलित होने से रघुनाथपुरा निवासी सतीश कुमार घायल हो गया। सभी घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से राजकीय उप जिला अस्पताल लाया गया, जहां सभी घायलों का इलाज किया गया।

मिनी सचिवालय में खुला 'वात्सल्य केंद्र', महिलाकर्मी व महिला परिवादियों के बच्चे चाइल्ड फ्रेंडली हॉल में सुरक्षित रहने के साथ खेल-खेल में सीख सकेंगे

अलवर (का.सं.)

जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने जिला प्रशासन की अभिनव पहल पर महिलाओं एवं बच्चों के लिए मिनी सचिवालय के प्रथम तल पर तैयार कराए गए 'वात्सल्य केंद्र' का फीता काटकर शुभारम्भ किया। जिला कलक्टर ने बताया कि मिनी सचिवालय में जिले के प्रमुख कार्यालय स्थित है और यहां बडी संख्या में महिलाकर्मी पदस्थापित तो हैं ही साथ ही जिलेभर से बडी संख्या में प्रतिदिन महिला परिवादी यहां आती हैं। इन महिलाओं व उनके बच्चों के लिए सुरक्षित चाइल्ड फ्रेंडली कक्ष वात्सल्य केंद्र के रूप में तैयार कराया गया है जिसमें महिलाकर्मी व महिला परिवादी अपने बच्चों को इस कक्ष में छोड सकती हैं। यहां चाइल्ड फ्रेंडली आकर्षक पेंटिंग की गई है साथ ही बच्चों के लिए खिलौने, बैठने के लिए चाइल्ड फ्रेंडली फर्नीचर, अच्छी क्वालिटी के मैट के साथ पेयजल की व्यवस्था की गई है। यहां पर दो महिला होमगार्ड बच्चों के केयर टेकर के रूप में तैनात रहेंगी। इनके द्वारा बच्चों को खेल-खेल में सिखाया भी जाएगा। उन्होंने बताया कि वात्सल्य केंद्र के अंदर ही तैयार कराए गए एक कक्ष में महिलाकर्मियों व आने वाले परिवादियों को सम्मान व प्राइवेसी के साथ बैठकर अपने बच्चों को स्तनपान कराने की सुविधा की गई है। उन्होंने बताया कि यह केंद्र कार्यालय समय में खुला रहेगा। उन्होंने बताया कि इस वात्सल्य केंद्र को आईसीआईसीआई बैंक के सहयोग से तैयार कराया गया है। वात्सल्य केंद्र की व्यवस्थाओं का संचालन व देखरेख नोडल विभाग महिला अधिकारिता विभाग द्वारा की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के और वात्सल्य केंद्र जिले के कार्यालयों में बनाने के प्रयास किए जाएंगे।

उपहार पाकर खिले बच्चों के चेहरे

जिला कलक्टर ने वात्सल्य केंद्र के शुभारम्भ के अवसर पर वहां पर मौजूद बच्चों को खिलौने व चॉकलेट आदि भेंट की, जिस पर बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस दौरान जिला कलक्टर ने महिलाओं व बच्चों से बातचीत कर कहा कि इस केंद्र को एक आइडल केंद्र के रूप में संचालित करने का दायित्व हम सभी का है। इसके संचालन व रखरखाव में सहयोग करें। महिला अधिकारिता विभाग की ओर से मिठाई वितरित कर खुशी जाहिर की।

महिलाकर्मियों ने की अभिनव पहल की सराहना

जिला प्रशासन की इस अभिनव पहल पर महिलाकर्मियों एवं उपस्थित महिलाओं ने सराहना करते हुए कहा कि वात्सल्य केंद्र के खुलने से यहां पर बच्चों की देखभाल हो सकेगी जिससे वे राजकीय कार्य पूरे मनोयोग से कर पाएंगी। साथ ही अच्छे माहौल में प्राइवेसी के साथ अपने बच्चों को स्तनपान करा सकेंगी। इस दौरान एडीएम शहर श्रीमती बीना महावर, नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका, महिला अधिकारिता विभाग के उप निदेशक ऋषिराज सिंगल, यूआईटी के उप सचिव सोहन सिंह नरूका, एडीपीएस सुनीता यादव, पर्यटन विभाग की उप निदेशक टीना यादव, मुख्य लेखा अधिकारी सुश्री रितु जैन, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सीमा कुमारी, पीडब्ल्यूडी की अधिशाषी अभियन्ता अल्का व्यास, आईसीआईसीआई बैंक के प्रतिनिधि लेखराज सहित मिनी सचिवालय की समस्त महिला कार्मिक मौजूद रही।

युवक ने मिनी सचिवालय में पेट्रोल छीडक कर की आग लगाने की कोशिश, पुलिस ने रोका

अलवर (का.सं.)

मिनी सचिवालय में युवक ने खुद पर पेट्रोल उड़ेलकर आग लगाने की कोशिश की। पुलिस ने बीच-बचाव कर उसे रोका। युवक पेट्रोल डालते हुए चिल्लाता रहा कि उसके चचेरे भाई को 20 लोगों ने घर से किडनैप कर पीटा। इसके बाद भी पुलिस में उसकी सुनवाई नहीं हुई। एक कॉन्स्टेबल का नाम लेकर उस पर पैसे लेने का आरोप लगाया। उसने कहा कि इसका रिकॉर्ड भी है मालाखेड़ा थाना प्रभारी हितेश शर्मा ने बताया अभी किसी भी पक्ष का मुकदमा नहीं हुआ है और न रिपोर्ट दी है। युवक-युवती के कोर्ट मैरिज करने का मामला है। पुलिसकर्मी की ओर से पैसे लेकर परेशान करने की शिकायत की जांच की जाएगी। जानकारी अनुसार मालाखेड़ा थाना क्षेत्र के खेड़ली पिचनोद निवासी राहुल वर्मा ने कोठारी का बास निवासी एक लड़की से गाजियाबाद जाकर कोर्ट मैरिज की थी। युवती के परिजन वहां पहुंचे और दोनों को वापस लेकर आ गए। इसके बाद युवक के परिजनों ने जमानत करा ली। यह घटनाक्रम 27 जनवरी का है उसके बाद युवक राहुल वर्मा के नाबालिग चचेरे भाई को युवती के परिजनों सहित कई लोगों ने मिलकर घर से उठाया और किडनैप कर लिया। उसे थाने के पास ही ले जाकर निवस्त्र कर चार बार पीटा। करीब 12 घंटे तक उसका किडनैप किए रखा। इसके बाद पुलिस ने फोन कर कहा कि आपके लड़के को ले जाओ। उससे पहले पुलिस ने कुछ नहीं किया। पुलिस मामले में हमसे भी रुपए ले चुकी है। पुलिस की मदद नहीं मिलने से नाराज था जिस लड़के का किडनैप कर पीटा गया था। उसका दूसरा भाई आकाश वर्मा शुक्रवार को मिनी सचिवालय में कलेक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला और एसपी संजीव नैन के चैंबर के नीचे मुख्य गेट पर पेट्रोल लेकर पहुंचा, वहां खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की। उससे पहले ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया। इस दौरान आकाश चिल्लाते हुए बोलता कि मालाखेड़ा पुलिस उनकी सुन नहीं रही है। कॉन्स्टेबल रामकेश उनसे पैसे ले चुका। यही नहीं रामकेश ही हमारे लोगों को पकड़ कर ले जाता और बाद में पैसे लेकर छोड़ता है। उसके कारण ही हमारे नाबालिग भाई को पीटा गया। इस मामले में एएसपी तेजपाल सिंह को भी शिकायत की गई थी लेकिन कुछ नहीं हुआ।

पुलवामा आतंकी हमले में वीरगति को प्राप्त हुए शहीद सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

अलवर (का.सं.)

जिला कांग्रेस कमेटी, अलवर की ओर कंपनी बाग स्थित शहीद स्मारक पर 14 फरवरी 2019 को पुलवामा आतंकी हमले में वीरगति को प्राप्त हुए शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई। कांग्रेस प्रवक्ता रिपु दमन गुप्ता ने बताया कि पुलवामा हमले की बरसी पर कांग्रेसजनों ने बलिदानियों को नमन करते हुए शहीद स्मारक पर मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कहा कि राष्ट्र हमेशा उनके अनुकरणीय साहस, सर्वोच्च बलिदान और मातृभूमि के प्रति निस्वार्थ सेवा का ऋणी रहेगा। देश के जवान जब सरहद पर जागता है तब हम घरों में चैन से सोते हैं। हम शहीदों के ही नहीं, उनके परिजनों के भी ऋणी हैं। इस अवसर पी सी सी सचिव गफूर खान, हीरेन्द्र शर्मा, प्रवक्ता रिपू दमन गुप्ता, शहर अध्यक्ष जयदीप आर्यन, कमलेश सैनी, हरिशंकर रावत, साजिद अनवर, राजेश कृष्ण सिद्ध, जमशेद खान, डालचंद वर्मा, प्रशान्त राजा, हुकुम सिंह,राजेश विरमानी, विशाल बौद्ध, सुदर्शन अरोडा, धर्मपाल नंगली,, पवन शर्मा,, रहमत खान, रामकिशन थानेदार, योगेश चन्द्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

वहीं स्वतंत्रता गौरव उत्सव समिति की ओर से बैठक आयोजित की गई। समिति अध्यक्ष गौरी शंकर विजय ने बताया कि भारतीय जवानों पर आतंकवादियों द्वारा किया गया कायरतापूर्ण हमला आतंकवादियों की एक सोची समझी साजिश थी। इस घटना से भारतीय सेना के लगभग 40 जवानों को अपनी जान न्योछावर करनी पडी। इस घटना की जितनी निंदा की जावे, उतनी कम है। समिति की तरफ से शहीद हुए समस्त सैनिकों को गहरी शोक संवेदनाएं अर्पित करते हुएं दो मिनट का मौन रखते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिएं प्रार्थना की गई। उपरोक्त बैठक में समिति के समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

केविन पीटरसन ने की भविष्यवाणी कौन होंगे चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनलिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 कौन जीतेगा? इसके लिए अभी से क्रिकेट दिग्गजों की टिप्पणियां आनी शुरू हो गई। अभी बीते दिन ही पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने खुद को खिताब का दावेदार बताया था। इसी बीच गौतम गंभीर ने भी ट्रॉफी जीतने के लिए एड़ी चोटी लगाने की बात कही थी। इसी बीच इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने सेमीफाइनल में पहुंचने वाली शीर्ष 4 टीमों को लेकर भविष्यवाणी की है।
पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में 19 फरवरी से यह टूर्नामेंट शुरू होना है जिसका लंबा समय से इंतजार किया जा रहा है। बहरहाल, पीटरसन ने आत्मविश्वास से भारत और पाकिस्तान को टूर्नामेंट के दो सबसे मजबूत दावेदारों में से एक बताया। एकदिवसीय क्रिकेट में उनके समृद्ध इतिहास और उनके मजबूत लाइन-अप को देखते हुए, दोनों कट्टर प्रतिद्वंद्वियों से खिताब की दौड़ में प्रमुख खिलाड़ी होने की उम्मीद है। पीटनसन ने मिशेल स्टार्क के हटने के बाद ऑस्ट्रेलिया को संभावित सेमीफाइनलिस्ट के रूप में खारिज कर दिया। इसके बजाय, उन्होंने अंतिम चार में जगह बनाने के लिए दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड का समर्थन किया। पीटरसन ने कहा कि मेरा मतलब है, यह बहुत कठिन है। वह वाकई में। लेकिन मिचेल स्टार्क के हटने के बाद, मैं भारत, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड कहूंगा। स्टार्क की अनुपस्थिति ऑस्ट्रेलिया के लिए एक बड़ा झटका है, जो अब टूर्नामेंट में अपनी प्रसिद्ध तेज तिकड़ी के बिना खेलेगी। पैट कमिंस और जोश हेजलवुड चोट की चिंताओं के कारण पहले ही बाहर हो गए थे, जिससे विश्व चैंपियंस की चैंपियंस ट्रॉफी जीतने की संभावना और कमजोर हो गई थी।
मेजबान पाकिस्तान 19 फरवरी को कराची के नव पुनर्निर्मित नेशनल बैंक स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ टूर्नामेंट का पहला मैच खेलेगा।
बहुप्रतीक्षित भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला 23 फरवरी को दुबई में होने वाला है, एक ऐसा मैच जिसके प्रतियोगिता के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक होने की उम्मीद है।

शाहीन अफरीदी को ICC ने दी बड़ी सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी पर आईसीसी ने बड़ा जुर्माना लगाया है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ कराची में खेले गए वनडे मैच में पाकिस्तान के 3 खिलाड़ियों ने साउथ अफ्रीकी खिलाड़ियों से बदतमीजी की, जिसके बाद ये एक्शन लिया गया है. शाहीन अफरीदी के अलावा सऊद शकील और कामरान गुलाम पर भी आईसीसी ने जुर्माना लगाया है. शाहीन अफरीदी ने साउथ अफ्रीका के युवा बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीत्जके के साथ लड़ाई की. वहीं कामरान गुलाम और सऊद शकील ने साउथ अफ्रीकी कप्तान टेंबा बावुमा के आउट होने के बाद आक्रामक जश्न मनाया था. अफरीदी और मैथ्यू ब्रीत्जके की लड़ाई साउथ अफ्रीकी पारी के 28वें ओवर में हुई थी. शाहीन की पांचवीं गेंद पर मैथ्यू ब्रीत्जके ने मिड-ऑन एरिया में शॉट खेला, जिसके बाद अफरीदी ने उन्हें कुछ कहा. शाहीन इस बात से नाराज थे कि मैथ्यू ने पिच की ओर एक-दो बार दौड़ लगाई थी. इस पर अफरीदी ने नाराजगी जताते हुए उन्हें कुछ कहा और आंखें दिखाईं, जिसका मैथ्यू ने जवाब दिया.

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025:

चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए प्राइज मनी का ऐलान, विजेता को मिलेंगे करोड़ों, हारने वाली टीम भी होगी मालामाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत में अब एक हफ्ते से भी कम का समय बचा है. इस बार यह टूर्नामेंट पाकिस्तान की मेजबानी में हाइब्रिड मॉडल के तहत खेला जाना है. इसके मुकाबले पाकिस्तान के तीन शहरों (लाहौर, रावलपिंडी, कराची) और दुबई में होंगे. टूर्नामेंट का आगाज 19 फरवरी को कराची में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले से होगा. वहीं टीम इंडिया भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश से खेलेगी.

प्राइज मनी में बंपर इजाफा

अब चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए आईसीसी ने प्राइज मनी का ऐलान कर दिया है. चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 की विजेता टीम को 2.24 मिलियन डॉलर (लगभग 19.46 करोड़ रुपये) मिलेंगे. वहीं उपविजेता टीम को 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9.73 करोड़ रुपये) मिलेंगे. सेमीफाइनल हारने वाली दोनों टीम को एक समान 560,000 डॉलर (लगभग 4.86 करोड़ रुपये) मिलेंगे.

चैम्पियंस ट्रॉफी में हर मैच मायने रखेगा. ग्रुप स्टेज में मैच जीतने पर टीम को 34000 डॉलर (लगभग 29.53 लाख रुपये) मिलेंगे. जबकि पांचवें एवं छठे स्थान पर रहने वाली टीम को एक समान 350000 डॉलर (लगभग 3.04 करोड़ रुपये) मिलेंगे. जबकि सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीम को एक समान 140000 (लगभग 1.22 करोड़ रुपये) डॉलर मिलेंगे. इसके अलावा सभी आठ टीमों को इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 125000 डॉलर (लगभग 1.09 करोड़ रुपये) की गारंटी दी जाएगी. आईसीसी इस टूर्नामेंट में कुल 6.9 मिलियन डॉलर (लगभग 60 करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि बांटेगी. यह 2017 की तुलना में 53 प्रतिशत ज्यादा है.

चैम्पियंस ट्रॉफी की प्राइज मनी:

➲**विजेता टीम:** 2.24 मिलियन डॉलर (19.46 करोड़ रुपये)
➲**रनरअप:** 1.24 मिलियन डॉलर (9.73 करोड़ रुपये)
सेमीफाइनलिस्ट: 5,60,000 डॉलर (4.86 करोड़ रुपये)
➲**पांचवें एवं छठे नंबर की टीम:** 3,50,000 डॉलर (3.04 करोड़ रुपये)
➲**सातवें या आठवें नंबर की टीम:** 1,40000 डॉलर (1.22 करोड़ रुपये)
➲**ग्रुप स्टेज में जीत:** 1,40,000 डॉलर (1.22 करोड़ रुपये)
➲**गारंटी मनी:** 1,25,000 डॉलर (1.09 करोड़ रुपये)

इस वजह से बदला गया लगेज का नियम

टीम इंडिया के 1 खिलाड़ी ने BCCI को लगाया लाखों का चूना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम इंडिया के खराब प्रदर्शन को देखते हुए बड़ा एक्शन लिया था और 10 सख्त नियम बनाए थे. इसका असर हाल ही में देखने को भी मिला था. अब भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई जाएगी, इस दौरे पर भी बहुत कुछ बदला-बदला नजर आएगा. रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार खिलाड़ी अपने परिवार को साथ नहीं लेकर जाएंगे.

वहीं, बीसीसीआई ने हवाई यात्रा के लिए भी लगेज से जुड़ा एक नियम बनाया है. आखिर बोर्ड ने लगेज के लिए नया नियम क्यों बनाया है, इस पर एक बड़ा खुलासा हुआ है. दरअसल, ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद बीसीसीआई ने समीक्षा बैठक करके खिलाड़ियों व कोचिंग स्टाफ के लिए नए दिशानिर्देश बना थे. नए नियमों के मुताबिक, टीम इंडिया के किसी भी खिलाड़ी को अब हवाई यात्रा के दौरान 150 किलो से ज्यादा सामान लेकर जाने की इजाजत नहीं है. अब 150 किलो से ज्यादा सामान होने पर खिलाड़ी को एयरलाइंस को अतिरिक्त पैसा खुद भरना होगा. अभी तक खिलाड़ी का सामान ज्यादा होने पर एयरलाइंस को बीसीसीआई ही अतिरिक्त पैसा भरती थी. लेकिन अब ऐसा नहीं होगा. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टीम इंडिया का एक खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया दौरे अपने साथ 27 बैग और ट्राली बैग लेकर गया था. इसमें क्रिकेटर के अलावा उनके निजी स्टाफ व परिवार के बैग भी शामिल थे. ऐसे में इस खिलाड़ी के लगेज का कुल वजन 250 किलो के आसपास था. वहीं, ऑस्ट्रेलिया में भी ये खिलाड़ी हर जगह इस लगेज को अपने साथ लेकर गया था. ऐसे में इस दौरान के इस खिलाड़ी के लगेज का सारा खर्चा बीसीसीआई को ही उठाना पड़ा था, जो लाखों में था. रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस खिलाड़ी की वजह से ही बीसीसीआई ने इस नियम में बदलाव किया है, क्योंकि इस खिलाड़ी को देखकर बाकी खिलाड़ी भी ऐसा करने लगे थे.

क्रिस गेल के मेंटर बनने से रोमांचित जीएल बजाज सुपर स्ट्राइकर्स नोएडा

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट की दुनिया के सुपर स्टार और फैंस के बीच यूनिवर्स बॉस के नाम से मशहूर क्रिस गेल भारत में हैं और हाल ही में उन्होंने ग्रेटर नोएडा के जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कॉलेज का दौरान किया। कैरेबियाई सिक्सर किंग जीएल बजाज की टीम सुपर स्ट्राइकर्स नोएडा के मेंटर भी हैं, जो LLC TEN10 का हिस्सा है। क्रिस गेल ने स्टूडेंट्स और क्रिकेट फैंस के साथ खास मुलाकात की और अपने अनुभवों को शेयर किया।

गांव से निकले महेंद्र चंदन की ISPL में धूम

माझी मुंबई को चैंपियन बनाने के लिए कस ली है कमर

मुंबई, एजेंसी। इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन में मुंबई माझी की टीम ने अपने दमदार खेल से धूम मचा रही है। शानदार खेल से मुंबई की टीम ने पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर पहते हुए प्लेऑफ में क्वालीफाई किया था। टीम के शानदार प्रदर्शन में ओडिशा के बलांगीर जिले के छोटे से गांव बलिपाटा के रहने वाले महेंद्र चंदन ने कमाल का खेल दिखाया।

प्लेऑफ में पहुंचने वाली माझी मुंबई के लिए चंदन को उम्मीद है कि उनकी टीम ISPL की चैंपियन बनेगी। टूर्नामेंट में आगे की तैयारियों को लेकर खास बातचीत में चंदन ने कहा, हमारी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए आ रही है और हमारी कोशिश होगी कि हम आखिरी तक अपना शत प्रतिशत देकर अपनी टीम को चैंपियन बनाए। बता दें कि माझी मुंबई ने लीग स्टेज के अपने 10 मैचों में से 9 में जीत हासिल कर प्लेऑफ में पहुंची है। महेंद्र चंदन माझी मुंबई के एक मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज हैं। ऑक्शन में कई अन्य टीमें भी चंदन को खरीदना चाहती थी, माझी मुंबई की टीम ने उन्हें तीन लाख के रुपए में खरीदा है। महेंद्र चंदन के लिए यह द्वस्क्का डेब्यू सीजन है। इससे पहले चंदन साल 2024 में कोलकाता में आयोजित इंडिया कप में भी ओडिशा का प्रतिनिधित्व किया था जहां उन्होंने शानदार प्रदर्शन ने सबका ध्यान आकर्षित किया। महेंद्र चदन को बचपन से ही क्रिकेट का शौक था। जैसे-जैसे वह बड़े हुए उन्होंने देखा कि उनके कई दोस्तों ने क्रिकेट के जरिए पहचान और मौके प्राप्त कर रहे हैं तो उनकी भी क्रिकेट के प्रति गंभीरता बढ़ने लगी। प्रोफेशनल स्पोर्ट्स करियर को चुनने की चुनौतियों के बावजूद खासकर एक ग्रामीण पृष्ठभूमि से होने के कारण, महेंद्र सकारात्मक बने हुए हैं। वह ISPL से मिले समर्थन के लिए आभारी हैं, जिसमें कोच और साथी खिलाड़ी शामिल हैं, और उन्हें यह अच्छा लगता है कि यहां की माहौल में हर पृष्ठभूमि से खिलाड़ियों को मौका मिलता है।

मैं प्रेग्नेंट नहीं हूं... चैंपियंस ट्रॉफी से पहले स्टार खिलाड़ी की पत्नी को सबसे सामने क्यों देना पड़ा ऐसा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत 19 फरवरी से पाकिस्तान में होने जा रही है. 8 टीमों के बीच खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया अपने सभी मैच दुबई में खेलेगी. लेकिन इस टूर्नामेंट से पहले कई टीमें अपने खिलाड़ियों की चोटों से जूझ रहे हैं.

भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी चोट के चलते चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं. दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया को तो आखिरी मौके पर अपनी टीम में 5 बदलाव करने पड़े हैं. इनमें से एक नाम दिग्गज गेंदबाज मिचेल स्टार्क का भी है. मिचेल स्टार्क ने निजी कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया, जिस पर उनकी पत्नी एलिसा हीली का एक बयान सामने आया है, जो खुद ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट

टीम की खिलाड़ी हैं. दरअसल, मिचेल स्टार्क ने इस टूर्नामेंट में किस वजह से ना खेलने का फैसला किया है, इसका अभी तक खुलासा नहीं हो सका है. दूसरी ओर एलिसा हीली भी चोट के चलते विमेंस प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन में नहीं खेल रही हैं. ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि शायद एलिसा हीली प्रेग्नेंट हैं और स्टार पिता बनने वाले हैं, ऐसे में उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर होने का फैसला लिया है.

लेकिन एलिसा हीली ने इस अफवाह पर ब्रेक लगा दिया है. एलिसा हीली ने स्टार्क के बाहर होने पर बात करते हुए विलो टॉक पॉडकास्ट पर कहा, 'री तरफ मत देखो. मुझे नहीं पता, मैंने अभी तक उनसे नहीं पूछा है. वह श्रीलंका भी गए थे और दौरे का वह चरण भी पूरा किया था. तो हां, सब ठीक है. मैं ठीक हूँ.

विदर्भ के खिलाफ रणजी सेमीफाइनल में खेल सकते हैं यशस्वी, मुंबई की टीम में नाम शामिल, 17 फरवरी से खेला जाएगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट ओपनर यशस्वी जायसवाल को रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल मुकाबले के लिए मुंबई की टीम में शामिल किया गया है। रणजी ट्रॉफी 2024-25 के दोनों सेमीफाइनल मुकाबले 17 फरवरी से खेले जाएंगे। दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में मुंबई का सामना विदर्भ से होगा।

यशस्वी इस सीजन एक मैच खेल चुके हैं। यशस्वी ने जम्मू और कश्मीर के खिलाफ रणजी मैच खेला था, जिसमें मुंबई टीम को घरेलू मैदान पर हार मिली थी। उस मैच में रोहित शर्मा भी खेले थे। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए जनवरी में जब भारतीय टीम का ऐलान हुआ था, तब यशस्वी को शामिल किया गया था। लेकिन, 11 फरवरी को जब फाइनल टीम की घोषणा हुई तो उनकी जगह मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को टीम में शामिल किया गया। यशस्वी ट्रैवलिंग रिजर्व रहेंगे, उनके साथ शिवम दुबे और मोहम्मद सिराज को भी रिजर्व प्लेयर में शामिल किया गया।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए यशस्वी ट्रैवलिंग रिजर्व रहेंगे।

रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए मुंबई टीम अजिंक्य रहाणे (कप्तान), आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी, अमोघ भटकल, सूर्यकुमार यादव, यशस्वी जायसवाल, सिद्धेश लाड, शिवम दुबे, आकाश आनंद (विकेटकीपर), हार्दिक तामोरे (विकेटकीपर), सूर्यांश शेडगे, शार्दूल ठाकुर, शम्स मुलानी, तनुष कोटियन, मोहित अवस्थी, सिल्वेस्टर डिसूजा, रॉयस्टन डायस, अथर्व अंकोलेकर, हर्ष तन्ना। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में फेल रहे थे यशस्वी को हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई वनडे सीरीज टीम में शामिल किया गया था। उन्होंने विराट कोहली की गैरमौजूदगी में पहला वनडे खेला था।

यह यशस्वी का वनडे डेब्यू भी था। उन्होंने रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग करते हुए 22 गेंद पर 15 रन बनाए थे। कोहली घुटने की चोट के कारण उस मैच में नहीं खेल पाए थे।

चैंपियंस ट्रॉफी:

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले न्यूजीलैंड को लगा झटका, बड़ा खिलाड़ी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी से ठीक पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है और बेन सियर्स हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड ने बुधवार को पाकिस्तान के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में खेलने से पहले दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जैकब डफी को 15 खिलाड़ियों की टीम में शामिल करके उनके स्थान पर एक और खिलाड़ी को शामिल किया।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने पुष्टि की है कि बुधवार को कराची में टीम के पहले प्रशिक्षण के दौरान सियर्स को बाएं हैमस्ट्रिंग में दर्द महसूस हुआ। उन्होंने स्कैन कराया जिसमें पता चला कि उनकी हैमस्ट्रिंग में मामूली चोट है, जिसके लिए कम से कम दो सप्ताह तक पुनर्वास की आवश्यकता होगी। पुनर्वास समय-सीमा का मतलब है कि सियर्स संभवतः 2 मार्च को दुबई में भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड के अंतिम ग्रुप ए मैच के लिए समय पर ठीक हो जाएंगे।

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने एक बयान में कहा, हम सभी बेन के लिए वास्तव में दुखी हैं। इतनी देर से किसी बड़े आयोजन से बाहर होना हमेशा कठिन होता है, और बेन के मामले में यह विशेष रूप से कठिन है, क्योंकि यह उनका पहला बड़ा द्वृष्ट आयोजन होता। उन्होंने कहा, बेन के फिर से खेलने के लिए फिट होने के लिए समय-सीमा का मतलब है कि वह संभवतः समूह चरण के अधिकांश भाग को मिस कर देगा और टूर्नामेंट की छोटी प्रकृति को देखते हुए हमें लगा कि एक ऐसे खिलाड़ी को लाना उचित होगा जो पूरी तरह से फिट हो और खेलने के लिए तैयार हो।

टेनिसः

मेदवेदेव ने मार्सिले में सीजन के पहले क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

मार्सिले, एजेंसी । रूसी टेनिट स्टार डेनियल मेदवेदेव ने ओपन 13 प्रोवेंस टेनिस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रांसीसी खिलाड़ी पियरे-ह्यूजेस हर्बर्ट को 6-2, 6-4 से हराकर सीजन के पहले क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यह मुकाबला वर्ल्ड नंबर 8 के लिए खास रहा क्योंकि उन्होंने अपने पहले सर्व पर 90 प्रतिशत अंक जीते। मेदवेदेव के लिए यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस साल की शुरुआत उनके लिए कुछ खास नहीं रही थी। ऑस्ट्रेलियन ओपन में उन्हें दूसरे दौर में ही हार का सामना करना पड़ा था, जहां अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन ने उन्हें हराया था। इसके बाद रोटरडैम में भी वे दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए और वहां इतालवी खिलाड़ी मैटिया बेलुची से हार गए थे। मैच के बाद मेदवेदेव ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में मैं जल्दी हार गया था। मुझे लगा कि जब मैं ऑस्ट्रेलिया में अच्छा खेलता हूं, जो कई बार हुआ है, तो मेरा शरीर पहले से ही थक जाता है। इसलिए मैं थोड़ा धीमा खेलना चाहता था। लेकिन मैंने दो मैच खेले, भले ही वे कठिन थे। उन्होंने कहा कि मार्सिले का टूर्नामेंट उन्हें पसंद है और यहां अच्छा प्रदर्शन करना उनका लक्ष्य है।

वाइल्ड कार्ड मेदवेदेव रोम में मई 2023 में जीतने के बाद से कोई खिताब नहीं जीते हैं। अब क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ से होगा, जिन्होंने ह्यूगो ग्रेनियर को 6-4, 5-7, 6-4 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। यह मुकाबला रोमांचक होने की उम्मीद है।

बैडमिंटनः

भारत बैडमिंटन एशिया मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप से बाहर, क्वार्टर फाइनल में जापान से हारा

किंगदाओ (चीन), एजेंसी। पिछले संस्करण का कांस्य पदक विजेता भारत शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान से 3-0 से हारने के बाद बैडमिंटन एशिया मिक्स्ड टीम

चैंपियनशिप से बाहर हो गया। ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की उभरती हुई मिश्रित युगल जोड़ी और महिला एकल खिलाड़ी मालविका बंसोड़ ने अपने से कहीं अधिक उच्च रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन अंतिम आठ चरण में 2017 में चैंपियनशिप के विजेता जापान के खिलाफ भारत की हार को टाल नहीं सके। पहले मैच में हिरोकी मिडोरिकावा और नात्सु सैतो की दुनिया की 12वें नंबर की जोड़ी का सामना करते हुए, ध्रुव और तनिषा ने दूसरे गेम में जोरदार वापसी करते हुए निर्णायक गेम के लिए मजबूर कर दिया। लेकिन अनुभवी जापानी जोड़ी ने 61 मिनट के मुकाबले में 21-13, 17-21, 21-13 से जीत हासिल कर बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद मालविका को दुनिया की 8वें नंबर की खिलाड़ी तोमोका मियाज़ाकी को रोकने का काम सौंपा गया, लेकिन उनके प्रयास पर्याप्त नहीं थे और वह जापानी स्टार शटलर के खिलाफ़ 21-12, 21-19 से हार गईं।

भारत को एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय की ज़रूरत थी जो उन्हें ट्रैक पर ला सके। 32 वर्षीय प्रणय ने कुछ समय के लिए उन उम्मीदों को ज़िंदा रखा क्योंकि उन्होंने तीसरे और निर्णायक गेम में केंटा निशिमोटो के खिलाफ़ पुरुष एकल मैच जीतने के लिए एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी की।

जयपुर, अलवर एवं भरतपुर से एक साथ प्रकाशित दैनिक
अरुणप्रभा
केन्द्र व राज्य से विज्ञापनों के लिए मान्य
अभिनव हिन्दी दैनिक

समरावता हिंसा केस में नरेश मीणा को नहीं मिली जमानत, कोर्ट ने कहा अपराध करने वाले राजनीतिक व्यक्ति का सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं होना चाहिए

यतेंद्रनाथ शर्मा/ जयपुर। विधानसभा उपचुनाव के दौरान समरावता गांव में हुई हिंसा मामले में नरेश मीणा की जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। जस्टिस प्रवीर भटनागर की अदालत ने फैसला सुनाया। कोर्ट ने दो दिन पहले दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने समस्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए आज नरेश मीणा की जमानत याचिका खारिज कर दी। जमानत याचिका खारिज करते हुए कोर्ट ने कहा कि मामले में चालान पेश हो जाने से अभियुक्त जमानत का लाभ दिए जाने का अधिकारी नहीं बनता है। इस प्रकार के अपराधियों को निश्चित रूप से जमानत के लाभ से वंचित किया जाना ही न्यायोचित है। इससे पहले सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वकील डॉ. महेश शर्मा ने कहा था कि स्थानीय गांव वाले तहसील मुख्यालय बदलने के लिए कई दिनों से आंदोलन कर रहे थे। उन्होंने मतदान का बहिष्कार भी किया था। इस दौरान एसडीएम उनसे जबरन वोट डलवा रहे थे। इस बात को लेकर याचिकाकर्ता की एसडीएम से धक्का-मुक्की हो गई थी। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया था। घटना के बाद जो भी आगजनी हुई, उसमें याचिकाकर्ता का कोई रोल नहीं है। याचिकाकर्ता उस समय पुलिस हिरासत में था।

पटना में वैलेंटाइन डे के मौके पर पार्क में पहुंचे शिव भवानी सेना के कार्यकर्ता तो लड़के-लड़कियां भाग निकले

पटना । बिहार की राजधानी पटना में वैलेंटाइन डे पर लड़के और लड़कियां एक पार्क में पहुंचे थे। तभी वहां लठ लेकर घूम रहे भवानी सेना के सदस्यों को देखने पर लड़के-लड़कियां भाग निकले। दरअसल, हिंदू संगठन शिव भवानी सेना के कार्यकर्ताओं ने शहर के विभिन्न पार्कों में लाठी-डंडों के साथ गश्त शुरू की थी। इसी कड़ी में कार्यकर्ता पार्क में भी पहुंचे थे। रिपोर्ट के अनुसार, शिव भवानी सेना के कार्यकर्ता स्वामी सहजानंद सरस्वती पार्क में पूरी टीम के साथ लाठी लेकर पहुंचे। इस पार्क में कुछ लड़कियां और लड़के बैठे हुए थे। जब लड़कियों ने भवानी सेना के लोगों को लाठी लेकर आते देखा तब तुरंत उठकर मौके से भाग निकली। शिव भवानी सेना के सदस्य लव सिंह ने कहा कि वैलेंटाइन डे हिंदू संस्कृति के खिलाफ है। आज के दिन हम अपने शहीदों को याद करें, न कि पश्चिमी सभ्यता का अनुसरण करें। जो भी पार्कों में अश्लीलता फैलाएगा, उससे लाठी-डंडों से निपटा जाएगा। गौरतलब है कि बीते दिनों पटना की सड़कों पर संगठन ने कई पोस्टर लगाए थे, जिसमें वैलेंटाइन डे के बहिष्कार की अपील की थी। संगठन के द्वारा पोस्टर में लिखा था कि जहां मिलेंगे बाबू सोना, तोड़ देंगे कोना-कोना। पोस्टरों में अपील की गई थी कि वैलेंटाइन डे मनाने की बजाय पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर जवानों को सम्मान देना चाहिए।

सांसद अंसारी के बिगड़े बोल कहा- ऐसे तो स्वर्ग हाउसफुल हो जाएगा और नर्क खाली

गाजीपुर। सांसद अफजाल अंसारी ने महाकुंभ स्नान को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि पूरे देश में कुंभ स्नान की होड़ लगी हुई है। लोग मानकर चल रहे हैं कि इसमें स्नान करने से उन्हे बैकुंठ मिलेगा। अगर ऐसा है तो स्वर्ग भी हाउसफुल हो जाएगा और नर्क खाली रहेगा। रविदास जयंती के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा सांसद ने कहा कि महाकुंभ में स्नान करने की होड़ मची हुई है। ऐसा लग रहा है जैसे सभी लोग स्वर्ग में ही चले जाएंगे, जो हाउसफुल हो जाएगा। वहीं नरक बिल्कुल खाली रह जाएगा। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के चलते सड़कों पर चलना दूभर हो गया है। ट्रेनों में युवाओं द्वारा खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए जा रहे हैं, पुलिस असहाय नजर आ रही है। इस दौरान सांसद ने मौनी अमावस्या पर मची भगदड़ का जिक्र करते हुए भी कहा कि लोग कुचल कर मर जा रहे हैं। गौरतलब है कि पूर्वांचल के बाहुबली मुख्तार अंसारी के बड़े भाई सांसद अफजाल अंसारी ने लगभग 2 महीने पहले भी इसी तरह का एक विवादित बयान दिया। कहा था कि महाकुंभ में पूरी एक मालगाड़ी गांजा खप जाएगा। साधु-संत केवल गांजा पीते हैं। उनके इस विवादित बोल को लेकर गाजीपुर पुलिस द्वारा एक मुकदमा भी दर्ज कराया गया है। वहीं अब महाकुंभ पर उनके इस कटाक्ष की भी चर्चा होने लगी है। महाकुंभ मेले में संगम में स्नान करने वाले साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों और आम स्नानार्थियों की संख्या 45 करोड़ से पार हो गई है। माघ पूर्णिमा के मौके पर 2 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। आधिकारिक बयान के अनुसार महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने वालों की संख्या 46 करोड़ 25 लाख से अधिक हो चुकी है जबकि महाकुंभ के समापन को अभी एक पखवारा शेष है।

धारावी पुनर्विकास परियोजना : 1.5 लाख मकानों का पुनर्वास करने की योजना

मुंबई। धारावी पुनर्विकास परियोजना (डीआरपी) ने आधुनिकीकरण की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम उठाया है। इस परियोजना के तहत 1.5 लाख मकानों का पुनर्वास करने की योजना है, जो धारावी के निवासियों के लिए नये आवास, ढांचे और आर्थिक अवसरों का संशोधित प्रावधान करता है। इस परियोजना को जल्द ही मेंटेन करने के लिए धारावी में टाउनशिप की योजना है, जो चौड़ी सड़कें, हरित स्थान, जल और सीवेज प्रणाली के साथ सुदृढ़ सुविधाओं को शामिल करेगा। पिछले वर्ष दिसंबर में धारावी पुनर्विकास परियोजना प्राइवेट लिमिटेड (डीआरपीपीएल) ने नाम बदलकर नवभारत मेगा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (एनएमडीपीएल) रख लिया, जो कंपनी के आधुनिक, समावेशी और जीवंत समुदाय के निर्माण के वादे के अनुरूप है। अन्य झुग्गी पुनर्वास परियोजनाओं के विपरीत, निवासियों को ऊंची झुग्गियों में नहीं रखा जाएगा, बल्कि अच्छी तरह से नियोजित टाउनशिप में रखा जाएगा, जिसमें चौड़ी सड़कें, हरित स्थान और उचित जल और सीवेज प्रणाली जैसी उपयुक्त सुविधाएं होंगी। इन टाउनशिप में मल्टी-मॉडल परिवहन केंद्र होंगे। प्रवक्ता के अनुसार, टाउनशिप में स्कूल, स्वास्थ्य सुविधाएं, खेल के मैदान, सामुदायिक केंद्र और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स शामिल होंगे। प्रवक्ता ने कहा ?कि इस पुनर्विकास के साथ-साथ बुनियादी ढांचे से न केवल धारावी वासियों के जीवन में सुधार होगा, बल्कि पड़ोस और मुंबई वासियों के बुनियादी ढांचे और जीवन स्तर में भी सुधार होगा। एनएमडीपीएल एक विशेष प्रयोजन से स्थापित कंपनी (एसपीवी) है, जिसे महाराष्ट्र सरकार और अदाणी समूह के बीच एक संयुक्त उद्यम के रूप में बनाया गया है।

केरल : मंदिर में आतिशबाजी से बिचके हाथियों ने लगाई दौड़, तीन की मौत 20 घायल

तिरुवनन्तपुरम। केरल के कोयिलैंडी के पास मानकुलंगरा मंदिर में गुरुवार शाम को एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां उत्सव के दौरान आतिशबाजी हो रही थी, तभी दो हाथी बिचक गए और उन्होंने दौड़ लगा दी। इससे पूरे क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। भगदड़ के दौरान हाथ एक दीवार से टकरा गया जिससे दीवार भरभराकर गिर गई। इसमें कई लोग मलबे में दब गए। जिससे दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई और 20 लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, दीवार गिरने से दो महिलाओं और एक पुरुष की मौत हो गई। लगभग 20 लोग मामूली रूप से घायल भी हुए।

पीएम मोदी अमेरिका से दिल्ली रवाना, ट्रम्प बोले- मोदी मुझसे बेहतर नेगोशिएटर

भारत को एफ-35 फाइटर जेट देने के लिए अमेरिका तैयार

वॉशिंगटन

पीएम नरेंद्र मोदी का अमेरिका दौरा खत्म कर दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। पीएम मोदी शुक्रवार देर रात 3 बजे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिलने व्हाइट हाउस पहुंचे। दोनों नेता करीब ढाई घंटे तक साथ रहे। इस दौरान दोनों के बीच द्विपक्षीय बातचीत हुई। ट्रम्प-मोदी ने 2 बार मीडिया से बात की। ट्रम्प ने टैरिफ मामले पर मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें एक टफ नेगोशिएटर (मोलभाव करने वाला) बताया।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी उनके अच्छे दोस्त हैं और वे अच्छा काम कर रहे हैं। वो मुझसे भी बेहतर नेगोशिएटर हैं। ट्रम्प ने भारत को एफ-35 फाइटर जेट देने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने 2008 में मुंबई हमले के आतंकी तहव्वुर राणा को भारत भेजने की बात कही। वहीं, पीएम मोदी ने दूसरी बार अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने पर ट्रम्प को बधाई दी। मोदी ने कहा कि यह खुशी की बात है कि मुझे ट्रम्प के साथ दोबारा काम करने का अवसर मिला है। मेरे और ट्रम्प के मिलने का मतलब एक और एक ग्यारह है।

मोदी के बयान की प्रमुख बातें

अवैध अप्रवासी

जो लोग अवैध रूप से दूसरे देशों में रहते हैं, उन्हें वहां रहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। हमने हमेशा कहा है कि जो लोग भारत के नागरिक हैं और अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे हैं, उन्हें वापस लाने के लिए तैयार हैं।

मानव तस्करी

सामान्य परिवारों के लोगों को बड़े-बड़े सपने दिखाए जाते हैं। उनमें से ज्यादातर को गुमराह करके लाया जाता है। अमेरिका और भारत दोनों को मिलकर इस सिस्टम को जड़ से खत्म करने की कोशिश करनी चाहिए।

आतंकवाद

हम इस बात पर सहमत हैं कि सीमा के दूसरी तरफ से पैदा होने वाले आतंकवाद को खत्म करने के लिए ठोस कार्रवाई की जानी चाहिए। भारत में नरसंहार करने वाले एक अपराधी को प्रत्यर्पित करने के फैसले की तारीफ करता हूं।

रूस-यूक्रेन जंग

दुनिया का नजरिया है कि भारत न्यूट्रल है, लेकिन भारत न्यूट्रल नहीं है, भारत का अपना पक्ष है शांति। समस्याओं का समाधान जंग से नहीं निकलता। वह टेबल पर चर्चा करके ही निकलता है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने शांति का जो इनीशिएटिव लिया है, मैं उसका पूरी तरह से समर्थन करता हूं।

ट्रम्प के बयान की प्रमुख बातें

टैरिफ

इस मीटिंग में हमने हर पहलू पर चर्चा की है। हम भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाते रहेंगे। भारत 70 प्रतिशत टैरिफ लगाता है।

खालिस्तान

मुझे नहीं लगता के भारत के बाइडेन प्रशासन के साथ अच्छे संबंध थे। ऐसी बहुत चीजें हुईं, जो ठीक नहीं थी। हम अपराध को काबू करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करेंगे।

भारत पर सख्ती

भारत के साथ सख्ती दिखाकर चीन को कैसे हराएंगे? इसके जवाब में

उन्होंने कहा- हम किसी को भी मात दे सकते हैं, लेकिन हम किसी को मात देने के बारे में नहीं सोचते।

भारत से व्यापार घाटा

हम तेल, गैस और एलएनजी की बिक्री के साथ घाटे के अंतर को बहुत आसानी से पूरा कर सकते हैं। इसके लिए हमने एक अहम समझौते पर दस्तखत किया है।

बांग्लादेश

बांग्लादेश में जारी सियासी उथल पुथल को लेकर राष्ट्रपति ने कहा कि मैं बांग्लादेश का मुद्दा पीएम मोदी पर छोड़ता हूं।

अडाणी के मुद्दे पर बात नहीं

मीडिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पूछा कि क्या राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ मीटिंग में गौतम अडाणी के केस पर कोई चर्चा हुई। इस पर उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्तिगत मामलों के लिए दो देश के मुखिया न तो मिलते हैं, न बैठते हैं और न बात करते हैं।

अमेरिकी रक्षा विभाग का सबसे महंगा विमान एफ-35

एफ-35 लड़ाकू विमान 5वीं जनरेशन का विमान है। इसे लॉकहीड मार्टिन ने डेवलप किया है। इस प्लेन को 2006 से बनाना शुरू किया गया था। 2015 से यह अमेरिकी वायुसेना का एक अहम हिस्सा है। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के इतिहास में सबसे महंगा विमान एफ-35 ही है। अमेरिका एक एफ-35 फाइटर प्लेन पर 82.5 मिलियन डॉलर (करीब 715 करोड़ रुपए) खर्च करता है।

दिल्ली में आप की हार के बाद पंजाब में सीएम मान ने कर दी सौगातों की बौछार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में दिल्ली चुनाव में आम आदमी पार्टी को करारी हार मिली है और सत्ता गंवा दी। कहीं ऐसा ही पंजाब में न हो जाए इसके लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सौगातों की बौछार कर दी है। पंजाब कैबिनेट ने सरकारी और निजी सेक्टर में 60 हजार नौकरियां देने की योजना तैयार की है। इसके अलावा कर्मचारियों के करीब 14,000 करोड़ रुपये के एरियर को मंजूरी दे दी है। कमजोर आर्थिक वर्ग के लोगों को भी लुभाने के लिए पंजाब सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत ईडब्ल्यूएस वालों को शहरी क्षेत्रों में घर दिए जाएंगे। माना जा रहा है कि दिल्ली में मिडिल क्लास और लोअर मिडिल क्लास के रूठने के चलते आम आदमी पार्टी को झटका लगा है।

दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के सभी 91 विधायकों की मीटिंग हुई थी। इसके बाद भगवंत मान ने पंजाब को मॉडल स्टेट बनाने का ऐलान किया था। राज्य में विधानसभा चुनाव अभी दो साल दूर हैं, लेकिन सरकार के फैसले बता रहे हैं कि वह तैयारी के मोड में आ गई है। खासतौर पर दिल्ली में लगे झटके ने उसे सतर्क किया है। दिल्ली को आम आदमी पार्टी के गढ़ के तौर पर देखा जा रहा था। गोवा, गुजरात, पंजाब समेत कई राज्यों में अरविंद केजरीवाल चुनावों में दिल्ली मॉडल लागू करने की बात करते थे। अब दिल्ली में ही हार से करारा झटका लगा है। ऐसे में अब आम आदमी पार्टी की दिल्ली की बजाय पंजाब मॉडल के नाम पर नैरेटिव खड़ा करना चाहती है।

इसके अलावा 6 लाख सरकारी कर्मचारी और पेंशनरों और कमजोर आर्थिक वर्ग के लोगों को भी साधने में मदद मिलेगी। कैबिनेट ने एनआरआई मामलों के निपटारे के लिए फास्ट ट्रैक अदालतों के गठन का भी ऐलान किया है। पंजाब में ऐसे लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है, जो एनआरआई या फिर उनके परिजन बाहर बसे हुए हैं। आम आदमी पार्टी को यह वर्ग समर्थन देता रहा है। इसी वर्ग की मदद के लिए जालंधर, कपूरथला, नवांशहर, लुधियाना और मोगा में फास्ट ट्रैक कोर्ट्स के गठन का फैसला हुआ है। भगवंत मान सरकार ने जिन 60 हजार पदों पर भर्ती का फैसला लिया है। उनमें से 2000 पद शिक्षा विभाग के होंगे। सरकार के प्रवक्ता ने कैबिनेट मीटिंग के बाद इन योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी है।

हालांकि अब भी पंजाब सरकार के सामने संकट की स्थिति रहेगी। इसकी वजह यह है कि राज्य सरकार कर्ज में दबी है और उसके लिए लुभावनी स्कीमों को एक हद से ज्यादा लागू कर पाना मुश्किल होगा। इसके अलावा पार्टी की बड़ी चिंता यह है कि दिल्ली में फ्रीबीज वाला मॉडल फेल रहा है। ऐसे में सिर्फ फ्री के नाम पर भी चुनाव जीतना मुश्किल होगा। यही वजह है कि सरकार कर्मचारियों, पेंशनरों और कमजोर आर्थिक वर्गों को साधने की कोशिश में है।

ममता कुलकर्णी बनी रहेंगी किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर

महाकुंभ नगर । फिल्म जगत के बाद अध्यात्म से जुड़ने वाली और हाल में किन्नर अखाड़े के महामंडलेश्वर पद से इस्तीफा देने वाली ममता कुलकर्णी ने एक वीडियो जारी कर कहा कि उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है और वह किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनी रहेंगी। ममता कुलकर्णी ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''महामंडलेश्वर पद से मेरा इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया। मैं आभारी हूं कि आचार्य लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने मुझे इस पद पर बनाए रखा। महामंडलेश्वर बनाने के बाद मैंने जो गुरु को भेंट की थी वह छत्र, छड़ी और चंवर के लिए और उसमें से जो पैसा बचा वह भंडारे के लिए था।'' इससे पूर्व 10 फरवरी को ममता कुलकर्णी ने एक वीडियो जारी कर कहा था ''मैं यमाई ममता नंद गिरि अपने पद से इस्तीफा देती हूं। किन्नर अखाड़े और दूसरे संतों के बीच मुझे महामंडलेश्वर बनाए जाने को लेकर दिक्कत हो रही है।'' उन्होंने कहा था, ''25 साल तपस्या के बाद मुझे यह सम्मान दिया गया था। मैंने देखा कि मुझे महामंडलेश्वर पद दिए जाने से कई लोगों को आपत्ति हुई। मैंने चौतन्य गगन गिरि महाराज के सानिध्य में 25 साल घोर तपस्या की।''

वक्फ संशोधन बिल से आम मुसलमानों को कोई खतरा नहीं-मौलाना शहाबुद्दीन रजवी

बरेली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने शुक्रवार को कहा कि संसद में वक्फ संशोधन बिल पर बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने अपनी रिपोर्ट पेश कर दी है, जिससे काफी चर्चा हो रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस बिल से आम मुसलमानों, मस्जिदों, मदरसों और दरगाहों को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने मुसलमानों से अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाहों और गलत जानकारी से भ्रमित न हों।

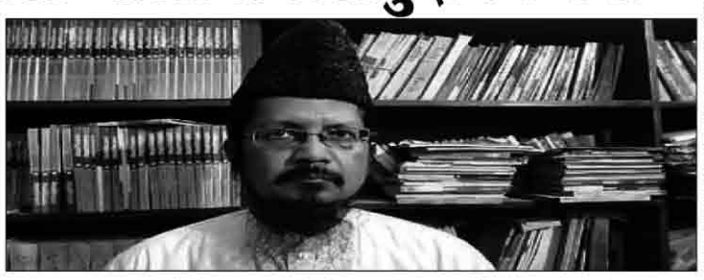

पत्रकारों से बातचीत में मौलाना रजवी ने कहा कि इस बिल से केवल उन लोगों को डरने की जरूरत है, जिन्होंने बुजुर्गों की वक्फ की गई जमीनों और जायदादों पर अवैध कब्जा कर रखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई भू-माफिया वक्फ की जमीनों को खुर्द-बुर्द कर रहे हैं और इस कारण आम मुसलमान भी परेशान हैं। मौलाना ने वक्फ बोर्ड के अध्यक्षों और सदस्यों पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये लोग मनमाने तरीके से वक्फ की जमीनों को भू-माफियाओं को बेचने का काम कर रहे हैं। वक्फ बोर्ड के जिम्मेदारों ने करोड़ों की जमीनें औने-पौने दामों पर बेच दी हैं। उन्होंने कहा कि इस संशोधन बिल के लागू होने से इस तरह के भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी।

मौलाना ने कहा कि हमारे बुजुर्गों ने अपनी जमीनें और जायदादें इसलिए वक्फ की थीं ताकि उससे मिलने वाली आमदनी गरीब और कमजोर मुसलमानों की मदद के लिए खर्च हो। लेकिन वक्फ बोर्ड के भ्रष्टाचार के कारण यह मकसद पूरा नहीं हो सका। उन्होंने भारत सरकार से मांग की कि इस बिल को जल्द से जल्द संसद में पारित कर लागू किया जाए। मौलाना ने कहा कि इस बिल का विरोध केवल वे लोग कर रहे हैं जिन्होंने वक्फ की जमीनों पर आलीशान इमारतें बना रखी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन लोगों की आमदनी गरीब मुसलमानों की मदद में खर्च होने के बजाय उनके निजी खजाने में जा रही है। उन्होंने मुसलमानों से अपील की कि वे इस बिल के खिलाफ दुष्प्रचार से बचें और सच को समझें।

लालू पर केंद्रीय मंत्री मांझी ने कसा तंज, अगर जलन हो रही है, तब बढ़िया लोशन खादी मॉल से खरीद लें

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में फिर बयानबाजी का दौर शुरु हो गया है। इस बार केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने आरजेडी सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट के द्वारा केंद्रीय मंत्री मांझी ने लालू यादव को उनके राजनीतिक अतीत की याद दिलाकर चुटकी लेकर कहा कि अगर उन्हें बीजेपी की लगातार जीत से जलन हो रही है तब 'ईर्ष्या कम करने का बढ़िया लोशन खादी मॉल में उपलब्ध है।

मांझी ने पोस्ट में लिखा, आदरणीय लालू यादव जी, वैसे आप कोई भविष्य वक्ता नहीं ही हैं। लेकिन एक जानकारी रख लिजिए। वर्ष 2005 में आपके सामने ही बिहार में भाजपा एनडीए की गठबंधन की सरकार बनी। साल 2010 में आपके सामने ही आपका सुपड़ा साफ फिर भाजपा गठबंधन वाली एनडीए सरकार बनी। वर्ष 2014 में लालू जी आपके सामने ही केन्द्र में भाजपा एनडीए सरकार बनी और आजतक बिहार और केंद्र में भाजपा एनडीए की ही सरकार है और आगे बिहार और केंद्र में एनडीए की सरकार रहने वाले है। वैसे यदि इससे जलन हो रही हो, हमारे खादी मॉल में जलन में काम करने वाला अच्छा लोशन मिलता है आप उपयोग करें।

केंद्रीय मांझी की प्रतिक्रिया लालू यादव के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था 'दिल्ली चुनाव के नतीजों का बिहार पर कोई असर नहीं होगा। बीजेपी के सरकार बनाने के दावे पर उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि 'ऐसे ही भाजपा सरकार बना लेगी? हमलोग के यहां रहते हुए? जनता अब बीजेपी वालों को अच्छे से जान चुकी है।

चीन-अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ई-वेस्ट उत्पादक बना भारत

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत का ई-वेस्ट एक बड़ा आर्थिक अवसर दे रहा है। एक रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि मेटल एक्सट्रैक्शन के जरिए रिकवर किए जाने वाले मटीरियल में 6 बिलियन डॉलर की अनुमानित आर्थिक क्षमता का है। शुक्रवार को एक रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि भारत अब चीन और अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ई-वेस्ट उत्पादक बन गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश का ई-वेस्ट वित्त वर्ष 2014 में 2 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) से दोगुना होकर वित्त वर्ष 2024 में 3.8 एमएमटी हो गया है, जो शहरीकरण और बढ़ती आय के कारण हुआ है। मुख्य रूप से घरों और व्यवसायों द्वारा उत्पन्न कंज्यूमर सेगमेंट ने वित्त वर्ष 2024 में कुल ई-वेस्ट का करीब 70 फीसदी योगदान दिया।

ई-वेस्ट उत्पादन में एक बड़ा ट्रेंड मटीरियल की तीव्रता में बदलाव है, जबकि उपकरण अधिक कॉम्पैक्ट और हल्के होते जा रहे हैं। त्यागे गए सामानों की मात्रा बढ़ रही है, जिससे कुशल रीसाइक्लिंग रणनीतियों की जरुरत होती है। रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स के पार्टनर जसबीर एस जुनेजा ने कहा कि आने वाले सालों में ई-वेस्ट की मात्रा बढ़ने की उम्मीद है। ई-वेस्ट में मेटल का बढ़ता मूल्य भारत के लिए रिकवरी दक्षता बढ़ाने और खुद को सस्टेनेबल मेटल एक्सट्रैक्शन में लीडर के रूप में स्थापित करने का एक बड़ा अवसर देता है।

वर्तमान में भारत में कंज्यूमर ई-वेस्ट का केवल 16 फीसदी फॉर्मल रिसाइक्लर द्वारा प्रोसेस किया जाता है। वित्त वर्ष 2035 तक फॉर्मल रिसाइकलिंग सेक्टर में 17 फीसदी सीएजीआर वृद्धि के अनुमानों के बावजूद इसके द्वारा भारत के ई-वेस्ट का केवल 40 फीसदी ही हैंडल करने की उम्मीद है। इस सेक्टर को अनौपचारिक प्लेयर्स से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है, जो कम अनुपालन लागत और व्यापक संग्रह नेटवर्क का लाभ उठाते हैं।

ईपीआर तब से उत्पादकों के लिए परिभाषित संग्रह लक्ष्यों के साथ एक अनिवार्य प्रणाली में विकसित हुआ है। हालांकि कम न्यूनतम ईपीआर शुल्क और अपर्याप्त औपचारिक रीसाइक्लिंग क्षमता के कारण अंतराल बने हुए हैं। फॉर्मल रीसाइक्लिंग नेटवर्क को मजबूत करना मेटल रिकवरी रेट में सुधार और रिटर्न को बढ़ाने करने की कुंजी है। इससे भारत की मेटल आयात मांग में 1.7 बिलियन डॉलर तक की कमी आ सकती है, जबकि हाई-वैल्यू रिसाइकल्ड मेटल की निरंतर सप्लाई सुनिश्चित हो सकती है।

संपादकीय

एआई : युवाओं को अवसर

आज जब विश्व में एआइ यानी कृत्रिम मेधा को लेकर उत्साह का वातावरण है, प्रधानमंत्री ने भी पेरिस में आयोजित एक सम्मेलन में एआइ के प्रति सकारात्मक पक्ष रख कर भारत का रुख स्पष्ट कर दिया है। इसमें कोई दो मत नहीं कि कृत्रिम मेधा के नियमन और नवाचार के बीच संतुलन कायम रखते हुए हमें आगे बढ़ना होगा। इस क्षेत्र में पूरी दुनिया के साथ कदमताल करते हुए भारत ने न केवल एआइ को अपनाया, बल्कि वह डेटा गोपनीयता को कानूनी जामा पहनाने वाले अग्रणी देशों में है। इस दिशा में उसने कई पहल की है।

नीति आयोग ने इसे बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय रणनीति भी तैयार की है। तमाम पूर्वाग्रहों को दरकिनार कर भारत जिस तरह इस दिशा में आगे बढ़ रहा है, यह जरूरी भी था, क्योंकि न केवल अर्थव्यवस्था और सुरक्षा, बल्कि कृषि, चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में एआइ की बड़ी भूमिका होगी। भविष्य में भारतीय समाज का परिदृश्य भी बदलेगा। प्रधानमंत्री ने सही कहा कि एआइ से लोगों की जिंदगी बदलेगी। भारत ने इस अवसर पर प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण का मुद्दा भी उठाया है, जो परस्पर विश्वास और पारदर्शिता के लिए आवश्यक है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो अविश्वास की भावना बनी रहेगी।

भारत में कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल के शुरूआती दौर में ठीक उसी तरह शंकाएं थीं, जिस तरह करीब चार दशक पहले कंप्यूटर आने और उसका उपयोग शुरू होते समय व्यक्त की गई थीं। मगर कंपयूटर से काम आसान हो गया। एआइ से भी कामकाज का तरीका बदलेगा। कई जटिल कार्य सरलता और तेजी से होंगे। प्रधानमंत्री का कथन उचित ही है कि प्रौद्योगिकी से काम खत्म नहीं होता, उसकी प्रकृति बदल जाती है। इस लिहाज से देखें, तो एआइ के बढ़ते इस्तेमाल के साथ नई नौकरियां सृजित होती जाएंगी। युवाओं को अनेक अवसर मिलेंगे।

वक्त आ गया है कि लोग और खासकर युवा एआइ दक्ष बनें, ताकि भविष्य में होने वाले बदलाव के लिए स्वयं को तैयार कर सकें। तभी देश भी एआइ सक्षम बनेगा। वह नवाचार की ओर भी बढ़ेगा। पारंपरिक तथा गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में कम पूंजी और श्रम से भारत भी विश्व पटल पर नई इबारत लिखेगा।

दिल्ली जीतकर भाजपा ने दिखाई धमक

रमेश सर्राफ धमोरा

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल कर अपनी धमक दिखायी है। 1998 में भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव हार गई थी। उसके बाद इस बार के चुनाव में भाजपा जीत कर अपनी सरकार बनाने वाली है। लगातार छह बार विधानसभा चुनाव हारने से भाजपा के लिए इस बार के दिल्ली विधानसभा के चुनाव बड़ी प्रतिष्ठा के सवाल बने हुए थे। इसीलिए भाजपा ने दिल्ली विधानसभा के चुनाव में जीत हासिल करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा दिया। इस बार भाजपा ने दिल्ली में मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया सहित आम आदमी पार्टी के कई दिग्गज नेताओं को हराकर अपनी पुरानी हार का बदला ले लिया है।

पिछले लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने करीब 30 विपक्षी दलों को साथ लेकर भाजपा के खिलाफ मजबूत इंडी गठबंधन बनाया था। जिसमें शामिल सभी विपक्षी दलों ने ज्यादातर सीटों पर एक साथ मिलकर चुनाव लड़कर भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। लोकसभा चुनाव में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन को 293 लोकसभा सीटें मिली। वहीं इंडी गठबंधन ने 236 सीटें जीती। कांग्रेस 53 सीटों से बढ़कर 99 सीटों पर पहुंच गई। इसी तरह समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में 5 सीटों से बढ़ कर 37 सीटों पर पहुंच गई।

लोकसभा चुनाव के बाद हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को पूरा भरोसा था कि उनकी पार्टी की सरकार बनेगी। इसलिए कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव से इतर विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी से समझौता नहीं कर अकेले चुनाव मैदान में उतरी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 48 सीटें जीत कर कांग्रेस को करारी शिकस्त दी। हरियाणा में जीत से देशभर में भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं का मनोबल भी बढ़ा। भाजपा ने हरियाणा में जहां लगातार तीसरी बार सरकार बनायी, अब तक की सबसे अधिक 48 सीटें जीत कर यह दिखा दिया कि लोकसभा चुनाव में पार्टी को उम्मीदों से कहीं कम सीटें मिलने से कार्यकर्ता निराश नहीं हैं।

उसके बाद महाराष्ट्र व झारखंड विधानसभा के चुनाव संपन्न हुए। महाराष्ट्र में भाजपा ने अब तक की सबसे अधिक सीटें जीतकर नया रिकॉर्ड बनाया। झारखंड में भाजपा चुनाव हार गई मगर महाराष्ट्र में भाजपा की बड़ी जीत में झारखंड की हार दब कर रह गई। महाराष्ट्र में भाजपा ने अकेले 132 सीटें जीती जो अब तक की सबसे अधिक थी।

वहीं, भाजपा के सहयोगी शिवसेना व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने भी करीब 100 सीटें जीतकर महाराष्ट्र में कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद चंद्र पवार व शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे को मात्र 46 सीटों पर समेट दिया। हरियाणा व महाराष्ट्र चुनाव भाजपा के लिए नई संजीवनी साबित हुए। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन महाराष्ट्र में महज 17 सीटें ही जीत पाया था। मगर विधानसभा चुनाव में मिली बंपर जीत ने लोकसभा चुनाव की हार को भुला दिया।

हाल ही में दिल्ली विधानसभा के चुनाव में भी भाजपा ने पहली बार 48 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया। दिल्ली विधानसभा में भाजपा पिछले 26 वर्षों से सत्ता से बाहर थी। दिल्ली में 1998, 2003 व 2008 में लगातार तीन बार कांग्रेस की सरकार बनी थी। वहीं, 2013, 2015 व 2020 में लगातार तीन बार आम आदमी पार्टी की सरकार बनी थी। 2015 में महज 3 सीट व 2020 में मात्र 8 सीट जीतने वाली भाजपा ने इस बार 48 सीट जीतकर अपनी ताकत का अहसास करवाया है।

हालांकि 2014, 2019 व 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा दिल्ली की सभी 7 सीटे जीतकर हैट्रिक बना चुकी है। मगर विधानसभा चुनाव में लगातार 6 बार सत्ता से बाहर रहने के कारण भाजपा इस बार हर हाल में दिल्ली में सरकार बनाना चाहती थी। इसके लिए भाजपा के सभी नेता व कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। यदि भाजपा इस बार भी दिल्ली में चुनाव हार जाती तो आगे आने वाले बिहार, असम विधानसभा के चुनाव में उसे नुकसान उठाना पड़ सकता था।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 48 सीटों के साथ 45.56 प्रतिशत वोट हासिल किए। दिल्ली में यह भाजपा का अब तक का सर्वोच्च चुनावी आंकड़ा है। पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में जहां भाजपा की 40 सीट बढ़ गई हैं, वहीं उसका वोट प्रतिशत भी 7.38 प्रतिशत बढ़ा है। भाजपा को कुल 46 लाख 23 हजार 110 वोट मिले हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी महज 22 सीटों पर सिमट गई। उसे 43.57 प्रतिशत मत मिले हैं। जो पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में 10 प्रतिशत कम हैं। आम आदमी पार्टी को 41 लाख 33 हजार 898 वोट मिले हैं।

इस बार दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के लिए भाजपा ने चुनावों के दौरान आम आदमी पार्टी की आपदा पार्टी वाली छवि बना दी थी। पार्टी के बड़े नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया सत्येंद्र जैन, संजय सिंह को भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाने को भाजपा ने बड़ा मुद्दा बना कर दिल्ली की जनता को आम आदमी पार्टी की वास्तविकता से रूबरू करवाया। इसके साथ ही अरविंद केजरीवाल द्वारा मुख्यमंत्री आवास में करवाए गए कार्यों को भाजपा ने शीशमहल कहकर प्रचारित किया। जिससे दिल्ली के आम मतदाताओं को लगने लगा कि जिस पार्टी को वह अपनी हमदर्द पार्टी मानकर लगातार तीन बार से चुनाव जीतवा रहा है, उस पार्टी के नेता भी अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं की तरह भ्रष्टाचार करने लगे हैं। मतदाताओं की यह सोच आम आदमी पार्टी के खिलाफ गई और उसे चुनाव में करारी पराजय झेलनी पड़ी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार मतदाताओं ने दलबदलुओं को भी उनकी औकात दिखा दी। 24 दलबदलू नेता भाजपा, आप व कांग्रेस पार्टी से टिकट प्राप्त कर चुनाव मैदान में उतरे थे। जिनमें 9 नेता ही चुनाव जीत सके। बाकी 15 प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा। दलबदलुओं में 6 भाजपा के चुनाव चिह्न व 3 आप के चुनाव चिह्न पर जीते। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल के मुकाबले भाजपा ने किसी स्थानीय नेता की बजाय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि पर चुनाव लड़ा और जीता। दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के बाद भाजपा कार्यकर्ता उत्साह से लबरेज हैं। चुनाव नतीजे के बाद भाजपा ने राजस्थान में कैबिनेट मंत्री डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा व हरियाणा में कैबिनेट मंत्री अनिल विज को उनके पार्टी विरोधी बयानों पर कारण बताओ नोटिस जारी कर यह जता दिया कि भाजपा में अनुशासन की लक्ष्मण रेखा पार करने का किसी को भी अधिकार नहीं है। चाहे वह कितना ही बड़ा नेता क्यों ना हो। यदि कोई पार्टी का अनुशासन तोड़ेगा तो उसके खिलाफ कार्यवाही होगी। कई राज्यों के विधानसभा चुनाव में लगातार जीतने से जहां भाजपा नेताओं का मनोबल बढ़ा हुआ है। वहीं, इंडी गठबंधन में आपसी आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। यदि विपक्षी दलों में खींचतान बढ़ती है तो आगे आने वाले विधानसभा चुनावों में उसका फायदा भी भाजपा को ही मिलना सुनिश्चित लग रहा है।

टैरिफ वॉर के बीच कैदी अदला-बदली का खेल

पुष्परंजन

यह कहानी तीन माह पहले की है, जब अमेरिकी कैदी तीन चीनियों के बदले छोड़े गए था। उनकी रिहाई के वास्ते अमेरिका के पसीने छूट गए थे। तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने अगस्त, 2024 में चीन की यात्रा की और चीन में गलत तरीके से हिरासत में लिए गए सभी अमेरिकियों की रिहाई का आग्रह किया। तत्कालीन विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने उसके अगले माह सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा में चीनी राजनयिक वांग यी के साथ तीनों व्यक्तियों के मामले उठाए। उसके प्रकारांतर, राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नवंबर में पेरू में उनकी रिहाई के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर दबाव डाला था। क्या बाक़ी अमेरिकी कैदियों की रिहाई का ज़िम्मा ट्रंप ने लिया है?

चीनी लीडरशिप, अमेरिका की आंखों में आंखें डालकर किसके बूते बात करती है? क्या उसकी वजह केवल ट्रेड और सैन्य ताक़त है, या कुछ और? जो है, वो दिखता नहीं। अमेरिका दुनिया को बताता नहीं, कि उसके कितने नागरिक चीनी जेलों में पड़े हैं। कैदियों का डाटा बेस तैयार करने वाले दुई हुआ फाउंडेशन का आकलन है कि अमेरिकी जेलों में 400 चाइनीज़, और चीनी जेलों में 300 अमेरिकी नागरिक कैद हैं। आप हमारे तीन कैदी छोड़ो, उतने ही कैदी हम छोड़ेंगे, इसी बराबरी वाले फार्मूले पर कैदियों का तबादला चीन-अमेरिका के बीच हो रहा है।

यह कहानी तीन माह पहले की है, जब अमेरिकी कैदी तीन चीनियों के बदले छोड़े गए था। उनकी रिहाई के वास्ते अमेरिका के पसीने छूट गए थे। तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने अगस्त, 2024 में चीन की यात्रा की और चीन में गलत तरीके से हिरासत में लिए गए सभी अमेरिकियों की रिहाई का आग्रह किया। तत्कालीन विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने उसके अगले माह सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा में चीनी राजनयिक वांग यी के साथ तीनों व्यक्तियों के मामले उठाए। उसके प्रकारांतर, राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नवंबर में पेरू में उनकी रिहाई के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर दबाव डाला था। क्या बाक़ी अमेरिकी कैदियों की रिहाई का ज़िम्मा ट्रंप ने लिया है? इस सवाल का उत्तर शी और ट्रंप की मुलाक़ात के बाद ही अमेरिकी जनता समझ पायेगी। लेकिन ट्रंप पर इसका दबाव है, कि कैदियों की रिहाई की जो शुरुआत जो बाइडेन ने की थी, उसे पुरज़ोर तरीके से आगे बढ़ाया जाये।

दुई हुआ फाउंडेशन, चीन की जेल प्रणाली की अस्पष्टता की आलोचना करता है, जहां बहुत-सी जानकारी गोपनीयता के नाम पर छिपाई जाती है। उसके बरअकस, अमेरिकी जेल के आंकड़े रहस्य जैसे नहीं हैं, ऐसा दावा दुई हुआ फाउंडेशन करता है । कैद में रहना कठिन है, लेकिन विदेश में कैद होना और भी कठिन है। विदेशी कैदियों को भाषाई और सांस्कृतिक बाधाओं और एक अपरिचित कानूनी प्रणाली का सामना करना पड़ता है। 1963 में 'कांसुलर संबंधों पर वियना कन्वेंशन' में चीन और अमेरिका सहित अधिकांश देश शामिल हैं, जिसके आधार पर किसी देश में कैद विदेशी नागरिकों में रिहाई की उम्मीद बनी रहती है। दो दशकों से अमेरिका और चीन के बीच अलग से द्विपक्षीय समझौता 'यूएस-पीआरसी कांसुलर कन्वेंशन', वियना कन्वेंशन से अधिक कठोर है। यदि कोई बंदी ऐसा अनुरोध करे तो उसके देश के कूटनीतिक मिशन को 24 से 72 घंटे के बीच सूचित किया जाना अनिवार्य है।

वर्ष 2024, नवम्बर में वर्षों से हिरासत में रखे गए तीन अमेरिकी नागरिकों को चीन ने रिहा किया था। उनके नाम थे मार्क स्विडन, काई ली, और जॉन लेउंग। प्रशासन के एक अधिकारी ने गुरुवार को पुष्टि की कि तीनों अमेरिकी टेक्सास में जॉइंट बेस सैन एंटोनियो के हिस्से लैकलैंड एयर फ़ोर्स बेस के ज़रिए वापस अमेरिका लौट आए। उससे पहले, अमेरिकी पादरी डेविड लिन भी सितम्बर, 2024 में चीनी क़ैद से छोड़े गए थे।

न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड के रहने वाले 62 वर्षीय डेविड लिन को 2016 में हिरासत में लिया गया था, और 2018 में जासूसी के आरोपों में 10 साल की सज़ा सुनाई गई थी, जिसके बारे में उनके परिवार का कहना है कि ये आरोप निराधार हैं। टेक्सास के 40 वर्षीय व्यवसायी स्विडन को 2012 से हिरासत में रखा गया था और 2019 में उन्हें ड्रग से संबंधित आरोपों में दोषी ठहराए जाने के बाद मृत्युदंड की सज़ा सुनाई गई थी, जिसके बारे में संयुक्त राष्ट्र के एक कार्य समूह ने कहा था कि इसका कोई साक्ष्य आधार नहीं था। ली और स्विडन को विदेश विभाग द्वारा 'गलत तरीके से हिरासत में लिया गया' माना गया था।

60 वर्षीय अमेरिकी नागरिक लेउंग, जिनका हांगकांग के चीनी क्षेत्र में स्थायी निवास भी है, को पिछले साल पूर्वी चीन की एक अदालत द्वारा जासूसी का दोषी पाए जाने के बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। हांगकांग और चीनी समाचार आउटलेट के अनुसार, 2021 में हिरासत में लिए गए लेउंग संयुक्त राज्य अमेरिका में बीजिंग समर्थक समूह के सदस्य थे, और वरिष्ठ चीनी अधिकारियों के साथ उनकी तस्वीरें सामने आई थीं।

अमेरिकी सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि उनकी रिहाई चीन के राज्य सुरक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी जू यानजुन और एक चीनी नागरिक जी चाओकुन के लिए कैदी अदला-बदली का हिस्सा थी। जू को अमेरिकी विमान इंजन आपूर्तिकर्ता जीई एविएशन से तकनीक चुराने के कथित प्रयास के बाद गिरफ्तार किया गया था। जी चाओकुन पर चीनी सरकार के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया गया था।

यह नवम्बर, 2024 की बात है, जब पेइचिंग में विदेश मंत्रालय ने भी स्वीकार किया था कि उसके तीन नागरिक सुरक्षित रूप से चीन लौट आए हैं। ब्रिटिश अधिवक्ता पीटर हम्फ्रे भी मानते हैं कि चीन में लगभग 300 अमेरिकी हिरासत में हैं, और उनमें से किसी के साथ भी निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सुनवाई नहीं हुई है। लेकिन पेइचिंग का कहना है कि सभी मामलों को कानून के अनुसार निपटाया जाता है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा, कि हमारे नागरिकों को निशाने पर लेने वाले अमेरिका का विरोध हमेशा करते रहेंगे।

दिलचस्प है कि क़ैदियों जैसे विषय सामने नहीं लाये जा रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से उनके शपथ ग्रहण के बाद से ही बात की है, जो बढ़ते व्यापार युद्ध के बीच निरंतर कूटनीतिक जुड़ाव का संकेत है। सोमवार शाम को फॉक्स न्यूज द्वारा प्रसारित सुपर बाउल साक्षात्कार में ट्रंप ने पुष्टि की, कि चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि शी और 'उनके लोगों' दोनों के साथ संवाद किया है। 'मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूं, मुझे उनसे बात करना अच्छा लगता है, उनके लोग हमेशा आते रहते हैं।'

आजकल

महाकुंभ : प्रचार और व्यवस्था

किसी भी आयोजन की सफलता या विफलता इसी से तय हो जाती है कि उसमें पहुंचने वाले लोगों की सुविधा और सुरक्षा का इंतजाम कैसा है। प्रयागराज के महाकुंभ में बार-बार पैदा हो जा रही परेशानियां इस बात की गवाही है कि वहां जिस जोर-शोर से लोगों को आने के लिए प्रेरित किया गया, उतनी संजीदगी से उनके आने-जाने, ठहरने, नहाने आदि की व्यवस्था नहीं की जा सकी। शायद प्रशासन अंदाजा लगाने में विफल रहा कि कितने लोग वहां पहुंच सकते हैं और उनकी सुविधाओं का कैसे ध्यान रखा जाना चाहिए। पहले ही अमृत स्नान के बाद वहां बदइंतजामी की पोल खुलनी शुरू हो गई थी।

मौनी अमावस्या के दिन मची भगदड़ में लोगों के घायल होने और मारे जाने के बाद भी जरूरी उपायों पर ध्यान नहीं दिया गया। इसके चलते न केवल प्रयागराज में, बल्कि आसपास के वाराणसी और अयोध्या जैसे तीर्थस्थानों पर भी परेशानियां बढ़ गईं। मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ के बाद सरकार और प्रशासन को काफी किरकिरी झेलनी पड़ी। विपक्ष और संत समुदाय की आलोचनाओं के बाद मेला प्रशासन ने कुछ कड़े कदम जरूर उठाए, मेला क्षेत्र में विशिष्ट लोगों के प्रवेश और गाड़ियों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया, मगर फिर वैसी ही स्थिति दिखाई देने लगी। माघ पूर्णिमा के दिन इतने लोग जुट गए कि प्रयागराज को जोड़ने वाली सड़कों पर घंटों जाम लग गया।महाकुंभ को लेकर कई महीने से प्रचार-प्रसार किया जा रहा था। लोगों से अपील की गई कि एक सौ चौवालीस वर्ष बाद आए इस महाकुंभ में अमृत स्नान के लिए अवश्य आएं। बढ़-चढ़ कर दावे किए गए कि वहां अब तक की सबसे अच्छी व्यवस्था की गई है। पैंतालीस करोड़ से ऊपर लोगों के आने का अनुमान लगाया गया था। मगर इस आयोजन में विशिष्ट लोगों की सुविधाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया, जिसके चलते आम लोगों को अनेक असुविधाओं का सामना करना पड़ा।

लगातार रेल सेवाएं बाधित होती रहीं। संगम क्षेत्र में भीड़ बढ़ने के कारण कई गाड़ियों को बाहर ही रोकना पड़ा। सड़क मार्ग से आने वाले लोगों को पंद्रह-सोलह घंटे तक जाम में फंसना पड़ा। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि माघ पूर्णिमा के दिन मध्यप्रदेश सरकार को भी प्रयागराज जाने वाले मार्गों पर यातायात सुगम बनाने के लिए पुलिस प्रशासन को उतारना पड़ा। जिन लोगों ने प्रयागराज से स्नान करने के बाद काशी और अयोध्या का रुख किया, उन्हें भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

आखिर क्या है कैमिस्ट्री ऑफ लव...

योगेश कुमार गोयल

प्यार को सदैव दिल से जोड़कर देखा जाता रहा है, दिमाग से नहीं। प्यार के संबंध में अक्सर यह भी कहा जाता है कि प्यार अंधा होता है और यह ऊंच-नीच, अमीरी-गरीबी, जात-पात इत्यादि सामाजिक बंधनों की परवाह नहीं करता। हालांकि मनोवैज्ञानिकों का यही मानना है कि अचानक किसी से प्यार हो जाना या उसे दिलोजान से चाहने लगना, यह सब कुछ अपने आप नहीं होता और न ही इसमें हमारे दिल की कोई बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है बल्कि हमारे मस्तिष्क में होने वाली कुछ रासायनिक क्रियाएं तथा जीन संबंधी संरचनाएं एवं विशेषताएं ही प्यार हो जाने का प्रमुख आधार होती हैं और इन्हीं की बदौलत प्यार और उसकी गहराई तय होती है। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि युवावस्था के साथ-साथ बुढ़ापे की अवस्था में भी यदि किसी के दिल की धड़कनें किसी विपरीत लिंगी को देखकर बढ़ने लगती हैं और वह उससे प्यार का दावा करने लगता है तो यह सब उसके शरीर के भीतर की जैव वैज्ञानिक क्रियाओं का ही परिणाम होता है, जिसका एक वैज्ञानिक आधार होता है। मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि वास्तव में प्यार का एक मनोविज्ञान होता है, जिसे समझ पाना हर किसी के लिए संभव नहीं होता।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन के वेलकम न्यूरोइमेजिंग विभाग के डॉ. एंड्रियाज बारटेल्स तथा प्रो. समीर जकी का कहना है कि प्यार 'खींचो और धकेलो' की पद्धति पर काम करता है। वह कहते हैं कि जब किसी से प्रेम होता है तो व्यक्ति उसकी तरफ खिंचा चला जाता है और उसके बारे में नकारात्मक बातों व उसकी बुराइयों को नजरअंदाज करता जाता है। डॉ. बारटेल्स व प्रो. जकी के अनुसार यह उसकी बुराइयों के प्रति आंख मूंदने या अंधा होने जैसा है और यही कारण है कि प्यार के बारे में अक्सर कहा जाता है कि प्यार अंधा होता है।

कुछ मनोवैज्ञानिकों ने अपनी लंबी खोज के बाद दावा किया कि प्यार की अलग-अलग तरह की कुल छह किस्में होती हैं। इनमें से पहली तरह के प्यार को वैज्ञानिकों ने 'रोस' नाम दिया, जिसमें केवल शारीरिक भूख मिटाई जाती है। ऐसे प्यार में शादी-विवाह जैसे बंधनों का कोई अस्तित्व नहीं होता। प्यार की दूसरी किस्म को 'ल्यूड्स' नाम दिया गया, जिसमें प्रेमी-प्रेमिका के बीच हुई दोस्ती प्यार में बदलने लगती है लेकिन इसमें गंभीरता का अभाव पाया जाता है। तीसरी तरह के प्यार 'अगापे' में प्रेमी-प्रेमिका के बीच एक अटूट प्रेम होता है और उनमें एक-दूसरे पर मर मिटने तथा एक-दूसरे के लिए बलिदान देने के लिए तत्पर रहने की भावना जन्म ले चुकी होती है। प्यार की 'मेनियक' नामक अगली किस्म में प्रेमी-प्रेमिका एक-दूसरे को इस कदर चाहने लगते हैं कि वे अपने प्यार को हासिल न कर पाने की स्थिति में जान लेने अथवा जान देने के लिए भी तत्पर हो जाते हैं। यह एक तरह से प्यार का उन्मादी रूप होता है। प्यार की एक अन्य किस्म 'प्रेग्मा' में प्रेमी-प्रेमिका भावनाओं के समन्दर में न बहकर पहले एक-दूसरे के बारे में अच्छी तरह से जानकारी हासिल करते हैं और उसके बाद प्यार जैसा कदम उठाते हैं। इस प्रकार जांच-परख कर और एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानने-समझने के बाद किया गया प्यार ही पूरी तरह से सफल 'प्यार' की श्रेणी में आता है।

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मानव मस्तिष्क में मौजूद एक विशेष अंग 'हाईपोथेलेमस' में जब 'डोपेमाइन' तथा 'नोरपाइनफेरिन' नामक दो न्यूरोट्रांसमीटरों की अधिक मात्रा हो जाती है तो यह शरीर में उत्तेजना व उमंग पैदा करने लगती है। ये न्यूरोट्रांसमीटर मस्तिष्क में उस समय सक्रिय होते हैं, जब दो विपरीत लिंगी मिलते हैं। कभी-कभी समलिंगियों के मामले में भी ऐसा देखा जाता है। जब भी इन्हें एक-दूसरे की कोई बात आकर्षित करती है तो उनके मस्तिष्क का यह हिस्सा अचानक सक्रिय हो उठता है। जब मस्तिष्क के इस हिस्से की सक्रियता के कारण 'डोपेमाइन' नामक रसायन का स्तर बढ़ता है तो यह मस्तिष्क में आनंद, गर्व, ऊर्जा तथा प्रेरणा के भाव उत्पन्न करता है। डोपेमाइन के कारण ही एक अन्य रसायन 'ऑक्सीटोक्सिन' का स्राव भी बढ़ता है, जो साथी को बाहों में भरने के लिए प्रेरित करता है जबकि 'नोरपाइनफेरिन' के कारण 'एड्रिनेलिन' रसायन का स्राव बढ़ता है, जो दिल की धड़कनें तेज करने के लिए उत्तरदायी है। 'वेसोप्रेसिन' रसायन आपसी लगाव बढ़ाने तथा अटूट बंधन के लिए होता है। न्यूयॉर्क की एक जानी-मानी समाजशास्त्री तथा मानव संबंधों की विशेषज्ञा डॉ. हेलन फिशर इस सिलसिले में बहुत लंबा शोध कार्य कर चुकी हैं।

उनका भी यही मानना है कि मस्तिष्क में पाए जाने वाले रसायनों 'डोपेमाइन' तथा 'नोरपाइनफेरिन' से ही प्यार की भावना का सीधा संबंध है। इन्हीं कारणों से प्रेमियों में असाधारण ऊर्जा का विस्फोट होता है और प्यार करने वालों की नींद और भूख गायब होने की भी यही प्रमुख वजह है।

एलआईसी के निवेश वाला पेनी स्टॉक काट रहा गदर, फिर लगा अपर सर्किट, कीमत 20 रुपये से कम

नईदिल्ली, एजेंसी। एलआईसी के निवेश वाली कंपनी वक्रग्रीन के शेयरों में शुक्रवार यानी आज अपर सर्किट लगा है। इस उछाल के बाद कंपनी के शेयरों का भाव 16.71 रुपये के लेवल तक पहुंच गया। वक्रग्रीन के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का फैसला है। कंपनी को ह्वाइट लेबल एटीएम लगाने, संचालन करने की अनुमति मिल गई है।

31 जनवरी 2025 तक के डाटा के अनुसार कंपनी के पास कुल 6035 ह्वाइट लेबल एटीएम थे। इनमें से 76 प्रतिशत टायर-4 से टायर-06 तक थे। इसके अलावा वक्रग्रीन के पास अपने 22,395 आउटलेट्स हैं। जिसमें से 81 प्रतिशत टायर 4 से टायर 6 के बीच है।

2030 तक कंपनी ने रखा बड़ा टारगेट- कंपनी ने 'विजन 2030' नाम से कैंपेन की शुरुआत की है। इसमें कंपनी का लॉन्ग टर्म गोल सामने आता है। कंपनी की कोशिश है कि 3 लाख आउटलेट्स खोला जा सके। वहीं, एटीएम की संख्या 15,000 तक बढ़ाना है। इन सबके अलावा कंपनी 1 बिलियन डॉलर का रेवन्यू जनरेट करना चाहती है। साथ ही ग्रॉस ट्रांजैक्शन वैल्यू 150 बिलियन डॉलर का भी टारगेट रखा गया है।

सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी की कुल हिस्सेदारी दिसंबर तिमाही तक 4.41 प्रतिशत थी। वहीं, रिटेल निवेशकों के पास 51 प्रतिशत हिस्सा और प्रमोटर ग्रुप के पास 41.70 प्रतिशत हिस्सा था।

कंपनी शेयर बाजार में कर रही है संघर्ष- भले ही बीते दो दिनों के दौरान कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। लेकिन पिछले एक साल में यह स्टॉक 38 प्रतिशत की गिरावट देख चुका है। वहीं, फरवरी में 31 प्रतिशत और जनवरी 2025 में 30 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है।

11 रुपये का शेयर पहुंचा 1200 रुपये के पार, 1 लाख पर मिला 1 करोड़ रुपये का रिटर्न

नईदिल्ली, एजेंसी। अच्छे स्टॉक लॉन्ग टर्म में निवेशकों को शानदार रिटर्न देते हैं। नाइब उन्हीं स्टॉक में से एक निकला है। कंपनी ने शेयर बाजार में बीते 5 साल के दौरान 10934 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इस पेनी स्टॉक ने निवेशकों को करोड़पति बना दिया है।

1 लाख रुपये का निवेश हुआ 1.10 करोड़ रुपये- 5 साल पहले फरवरी 2020 में नाइब के शेयरों का भाव 11.60 रुपये था। जोकि अब बढ़कर 1280 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। जिसकी वजह से पोजीशनल निवेशकों को 10000 प्रतिशत से अधिक का फायदा मिला है। 5 साल पहले जिस किसी निवेशक ने 1 लाख रुपये का दांव लगाया होगा उनका रिटर्न बढ़कर 1.10 करोड़ रुपये हो गया है।

भले ही लॉन्ग टर्म में यह स्टॉक निवेशकों को शानदार रिटर्न देने में सफल रहा हो। लेकिन शॉर्ट टर्म में यह संघर्ष करता हुआ नजर आ रहा है। बीते एक साल में यह मल्टीबैगर स्टॉक महज 9 प्रतिशत का ही रिटर्न देने में सफल हुआ है। वहीं, 2025 तो कंपनी के शेयरों के लिए बहुत ही बुरा साबित हुआ है।

आरबीआई की पाबंदी के बाद न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक के बाहर ग्राहकों की कतार

नईदिल्ली, एजेंसी। मुंबई स्थित न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के बाहर शुक्रवार को लोगों की कतारें देखी गईं। आरबीआई की ओर से निकासी पर रोक लगने के बाद चिंतित ग्राहक जल्द से जल्द अपना पैसा निकालना चाह रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को पर्यवेक्षी चिंताओं के बीच जमाकर्ताओं की ओर से धन निकासी सहित कई प्रतिबंध लगा दिए थे।

मुंबई में विजयनगर शाखा के बाहर असमंजस में दिखे ग्राहक- रिजर्व बैंक की कार्रवाई के बाद मुंबई के अंधेरी में विजयनगर शाखा के बाहर शुक्रवार को खाताधारकों की भीड़ उमड़ पड़ी। ग्राहक इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि उन्हें अपना पैसा कब मिलेगा। कुछ लोगों ने तो यहां तक कहा कि बैंक उनके सवालों का जवाब नहीं दे रहा है और यहां तक कि इसकी ग्राहक सहायता सेवाएं और एप भी काम नहीं कर रहे हैं। बैंक के बाहर जमा हुए लोगों में से ज्यादातर वरिष्ठ नागरिक हैं। बैंक अधिकारियों ने कतार में खड़े लोगों को कूपन दिए हैं। उनके अनुसार, ग्राहक इन कूपन का इस्तेमाल अपने लॉकर तक पहुंचने के लिए कर सकते हैं।

न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक, मुंबई को दिए गए भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देश गुरुवार को कारोबार की समाप्ति से लागू हो गए। ये निर्देश छह महीने की अवधि तक लागू रहेंगे और समीक्षा के अधीन होंगे।

बचत, चालू या किसी भी खाते से किसी भी राशि की निकासी पर रोक

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आज न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक को ऋण देने या नवीनीकृत करने, नई जमाराशियां स्वीकार करने, निवेश करने, अपनी देनदारियों के लिए कोई भुगतान करने या अपनी किसी भी संपत्ति को बेचने से रोक दिया है। नियामक ने एक बयान में कहा कि बैंक में हाल के भौतिक घटनाक्रमों से उत्पन्न पर्यवेक्षी चिंताओं और बैंक के जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा के कारण यह रोक लगाई गई है। बैंक की महाराष्ट्र समेत देशभर में 26 ब्रांच हैं, और बड़ी संख्या में ग्राहक हैं।

आरबीआई के बयान में कहा गया है, बैंक की वर्तमान तरलता स्थिति को ध्यान में रखते हुए, बैंक को निर्देश दिया गया है कि वह जमाकर्ता के बचत बैंक या चालू खाते या किसी अन्य खाते से किसी भी राशि की निकासी की अनुमति न दे, लेकिन जमाराशि के विरुद्ध ऋण सेट ऑफ करने की अनुमति दी गई है। पात्र जमाकर्ता जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से 5 लाख रुपये की मौद्रिक सीमा तक अपनी जमा राशि की जमा बीमा दावा राशि प्राप्त करने के हकदार होंगे।

हालांकि आरबीआई के निर्देशों में यह साफ किया गया है कि इस कार्रवाई को बैंकिंग लाइसेंस रद्द करने के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। बैंक अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार होने तक उक्त निर्देशों में निर्दिष्ट प्रतिबंधों के अधीन बैंकिंग व्यवसाय करना जारी रखेगा। आरबीआई बैंक की स्थिति की निगरानी करना जारी रखेगा और जमाकर्ताओं के सर्वोत्तम हित में आवश्यक कार्रवाई करेगा। ये निर्देश 13 फरवरी, 2025 को कारोबार बंद होने से छह महीने की अवधि के लिए लागू रहेंगे और समीक्षा के अधीन हैं।

भारत-अमेरिका का मिशन 500 जिसे दोनों देशों के व्यापार समझौतों के लिए माना जा रहा अहम

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका ने इस साल के अंत तक पहले चरण के व्यापार समझौते को पूरा करने पर सहमति जताई है। दोनों देशों ने 2030 तक आपसी व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य भी तय किया है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया कि भारत को भी अन्य देशों की तरह पारस्परिक टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच इस समझौते पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान, व्यापार से जुड़े मुद्दों और टैरिफ को लेकर विचार-विमर्श हुआ। बता दें कि, बैठक के कुछ ही घंटे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के सभी व्यापारिक साझेदारों के लिए एक नई पारस्परिक टैरिफ नीति की घोषणा की थी।

अमेरिका से तेल और गैस खरीदेगा भारत- संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि भारत अब अमेरिका से और अधिक तेल और गैस खरीदेगा, जिससे अमेरिका का व्यापार घाटा कम होगा। बता दें कि, वर्तमान में भारत और अमेरिका के बीच कुल व्यापार 130 अरब डॉलर का है, जिसमें अमेरिका का व्यापार घाटा 45 अरब डॉलर है। दोनों नेताओं ने पारस्परिक व्यापार बाधाओं को दूर करने की प्रतिबद्धता जताई और अपनी टीमों को एक निष्पक्ष व लाभकारी व्यापार समझौते पर काम करने का निर्देश दिया।

2030 तक 500 अरब डॉलर का व्यापार- संयुक्त बयान के अनुसार, पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका-भारत व्यापार को और मजबूत करने का संकल्प लिया। इसके तहत, मिशन 500 नाम से एक पहल की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य 2030 तक कुल व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। इसके लिए दोनों देशों ने 2025 के अंत तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने की योजना बनाई है। इस समझौते के तहत, बाजार में पहुंच आसान बनाने, टैरिफ कम करने और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने जैसे तमाम मुद्दों पर काम किया जाएगा।

अमेरिका ने भारतीय आम और अनार के निर्यात को बढ़ावा दिया- संयुक्त बयान में कहा गया कि अमेरिका ने कुछ भारतीय उत्पादों जैसे आम और अनार के निर्यात में बढ़ोतरी के लिए सहयोग दिया है। वहीं, भारत ने अमेरिका के कुछ उत्पादों जैसे मोटरसाइकिल, आईसीटी (सूचना और संचार प्रौद्योगिकी) उत्पादों, धातुओं और कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क कम करने की पहल की है।

भारतीय कंपनियों के अमेरिकी निवेश को बढ़ावा- दोनों देशों ने परस्पर निवेश बढ़ाने पर भी सहमति जताई। इस दिशा में, भारतीय कंपनियों ने अमेरिका में 7.35 अरब डॉलर का निवेश किया है। इनमें हिंडाल्को की सहयोगी कंपनी नोवेलिस, जेएसडब्ल्यू स्टील और एप्सिलॉन एडवांस्ड मटेरियल्स जैसी कंपनियों ने अमेरिका में अपने निवेश को बढ़ाया है, जिससे हजारों स्थानीय नौकरियों का सृजन हुआ है।

एनर्जी कंपनी को मिला 1,234 करोड़ रुपये का ठेका फिर भी शेयर के गिरे भाव

सोलर पीवी मॉड्यूल की सप्लाई के लिए 1,234 करोड़ रुपये का ऑर्डर जीतने के बावजूद प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड के शेयरों में आज गिरावट है। सुबह 11 बजे के करीब यह स्टॉक 1.73 पर्सेंट नीचे 982.90 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। हालांकि, आज यह 1014.90 रुपये पर खुला और दिन के निचले स्तर 974.10 रुपये तक गिर गया। शेयर अभी भी अपने लिस्टिंग के बाद के उच्च स्तर 1,388 रुपये से नीचे है। प्रीमियर एनर्जीज ने कहा कि उसे मौजूदा ग्राहकों से दो ऑर्डर मिले हैं। इन मॉड्यूल की सप्लाई अप्रैल 2025 से शुरू होने वाली है।

1,228 रुपये तक जा सकता है शेयर का भाव

ब्रोकरेज फर्म आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने 13 फरवरी को प्रीमियर एनर्जीज पर खरीद रेटिंग के साथ कवरेज शुरू की। इसने शेयर का टार्गेट प्राइस 1,228 रुपये रखा है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने अपने नोट में लिखा कि प्रीमियर एनर्जीज ने पिछले तीन वर्षों में खुद को भारत में सोलर सेल मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में तीसरे सबसे बड़े खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है। सरकार ने हाल ही में इस सेक्टर को कई उपायों के साथ सपोर्ट किया है। यह चीनी प्रतिस्पर्धा को रोकने में सक्षम रही है।

कमाई 90 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने की संभावना- अगले दो वर्षों में प्रीमियर एनर्जीज के अपने मौजूदा सेल और मॉड्यूल क्षमता को 2जीडब्ल्यूऔर 3जीडब्ल्यू से बढ़ाकर क्रमशः 7जीडब्ल्यू और 8जीडब्ल्यू करने की उम्मीद है। इससे एफवाय24-27इ के दौरान कमाई 90 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने की संभावना है।

प्रीमियर एनर्जीज इटीग्रेटेड सोलर सेल और सोलर पैनल का निर्माण करती है। कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो में सेल, सोलर मॉड्यूल, मोनोफेशियल मॉड्यूल, बाइफेशियल मॉड्यूल, ईपीसी सॉल्यूशंस और ओएंडएम सॉल्यूशंस शामिल हैं। प्रीमियर एनर्जीज वित्तीय वर्ष 2027 के कमाई अनुमान के 30 गुना पर कारोबार कर रही है।

आर्थिक मंदी का असर, तेल कंपनी शेवरॉन 8 हजार कर्मियों को निकालेगी

नईदिल्ली, एजेंसी। ह्यूस्टन की तेल कंपनी शेवरॉन 8,000 कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है। यह इसके कुल 40,000 कार्यबल का करीब 20 फीसदी हिस्सा होगा। कंपनी का लक्ष्य अगले साल के अंत तक लागत में तीन अरब डॉलर तक की कटौती करना है। इसके लिए सबसे पहले कर्मचारियों को निकालेगी। छंटनी इस साल शुरू होगी और 2026 तक पूरी हो जाएगी।

कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, शेवरॉन दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लिए परिचालन को सुव्यवस्थित कर रही है। इसमें अपने पोर्टफोलियो को अनुकूलित करना, प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना और वैश्विक कार्य केंद्रों का विस्तार करना शामिल है। इन निर्णयों को हल्के में नहीं लिया गया है, और हम बदलाव के दौरान कर्मचारियों का समर्थन करेंगे। दूसरी सबसे बड़ी अमेरिकी तेल कंपनी शेवरॉन ने पिछले साल अपना मुख्यालय कैलिफोर्निया के सैन रेमन से हटाकर ह्यूस्टन स्थानांतरित कर दिया था। हालांकि, सैन रेमन में इसकी मजबूत उपस्थिति बनी हुई है।

अवसरों की तलाश- कॉमर्जबैंक बैंक ने कहा, पोलैंड और आस-पास के सस्ते स्थानों में इसके परिचालन में नियुक्तियां की जाएंगी। यह बैंक लक्षित अधिग्रहण की तलाश में है और रणनीतिक साझेदारी पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह स्पेन, इटली और अन्य जगहों पर बड़े सौदों के विपरीत है। डच बैंक आईएनजी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया, वह अधिग्रहण के अवसरों की तलाश कर रहे हैं।

गठबंधन में यूनिक्रेडिट

लंबे समय से कॉमर्जबैंक के साथ गठजोड़ पर विचार कर रही यूनिक्रेडिट ने कहा, दोनों बैंकों के बीच एक संयोजन सर्वोत्तम संभव परिणाम होगा और किसी भी प्रस्ताव में अभी भी कई महीने लग सकते हैं। यूनिक्रेडिट ने गठबंधन से दूर जाने की खबरों को खारिज कर दिया।

कॉमर्जबैंक अपने 3,900 कर्मचारियों को निकालेगा

जर्मनी का कॉमर्जबैंक 3,900 कर्मचारियों को निकालेगा। बैंक ने कहा, नौकरी में कटौती मुख्य रूप से जर्मनी में और 2028 तक पूरी होने की उम्मीद है। हालांकि, देश के बाहर नियुक्तियां होती रहेंगी। यानी, कुल कर्मियों की संख्या 36,700 पर स्थिर रहेगी। कॉमर्जबैंक का प्रबंधन कई महीने से इस रणनीति पर काम कर रहा है।

घटकर आधा हुआ मुनाफा, 52 हफ्ते के लो पर पहुंचे शेयर, 12000 प्रतिशत चढ़ चुका है दाम

नईदिल्ली, एजेंसी। स्पेशियलिटी केमिकल इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी दीपक नाइट्राइट के शेयरों में शुक्रवार को तेज गिरावट आई है। दीपक नाइट्राइट के शेयर शुक्रवार को 15 पर्सेंट से अधिक की गिरावट के साथ 1874 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर 52 हफ्ते के नए निचले स्तर पर जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेज गिरावट दिसंबर तिमाही के कमजोर नतीजों के बाद आई है। चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कंपनी का मुनाफा आधे से ज्यादा घट गया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 3168.65 रुपये है।

51 प्रतिशत से ज्यादा घट गया दीपक नाइट्राइट का मुनाफा- चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में दीपक नाइट्राइट का मुनाफा सालाना आधार पर 51.5 पर्सेंट घटकर 98 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 202 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। दिसंबर 2024 तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 5.3 पर्सेंट घटकर 1903.4 करोड़ रुपये रहा है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 2009.2 करोड़ रुपये था। अक्टूबर-दिसंबर 2024 तिमाही में दीपक नाइट्राइट का इबिट्डा सालाना आधार पर 44.7 पर्सेंट घटकर 168.5 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी का ऑपरेटिंग मार्जिन घटकर 8.9 पर्सेंट पहुंच गया है।

यूटिलिटी वाहनों के दम पर जनवरी में यात्री कारों की थोक बिक्री 1.6 प्रतिशत बढ़ी, दोपहिया वाहनों में भी तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। यूटिलिटी वाहनों की मांग के कारण जनवरी में यात्री कारों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 1.6 फीसदी बढ़कर 3,99,386 यूनिट पहुंच गई। पिछले साल जनवरी में 3.93 लाख यूनिट्स बिकीं थीं। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स यानी सियाम के मुताबिक, यह जनवरी में यात्री वाहनों की सबसे अधिक बिक्री है।

कंपनियों ने डीलरों को 2.13 लाख यूटिलिटी वाहन की डिलीवरी की, जो जनवरी, 2024 के 2.01 लाख की तुलना में छह फीसदी अधिक है। यात्री कारों की थोक बिक्री पिछले महीने 1.27 लाख इकाई रही, जो एक साल पहले समान अवधि में 1.26 लाख इकाई रही थी। वैन की बिक्री 6.4 फीसदी घटकर 11,250 यूनिट्स रह गई।

मारुति सुजुकी ने पिछले माह 1,73,599 यूनिट्स बेचीं, जो जनवरी,2024 में 1,66,802 की तुलना में 4 फीसदी अधिक है। ह्यूंडई मोटर इंडिया ने डीलरों को पांच प्रतिशत कम 54,003 इकाइयां भेजी। महिंद्रा एंड महिंद्रा की थोक बिक्री 43,068 इकाई से बढ़कर 50,659 इकाई हो गई।

दोपहिया वाहनों में दो फीसदी की तेजी- जनवरी, 2024 में दोपहिया वाहनों की कुल बिक्री 14.95 लाख इकाइयों की तुलना में पिछले महीने 2.1 प्रतिशत बढ़कर 15.26 लाख इकाई हो गई। स्कूटर की बिक्री 12.4 प्रतिशत बढ़कर 5,48,201 यूनिट और मोटरसाइकिल की बिक्री 3.1 फीसदी घटकर 9,36,145 यूनिट रह गई। कुल तिपहिया वाहनों की बिक्री 7.7 प्रतिशत बढ़कर 58,167 यूनिट रही।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक का वित्तवर्ष 2025 की तीसरी तिमाही का राजस्व 49 प्रतिशत की साल दर साल वृद्धि के साथ 700 करोड़ रुपये तक पहुँचा

मुंबई, एजेंसी। एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त हुई तिमाही के लिए अपने समेकित परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने 49 प्रतिशत की साल दर साल वृद्धि के साथ 700 करोड़ रुपये से अधिक का त्रैमासिक राजस्व दर्ज किया है। बैंक का शुद्ध लाभ 70 प्रतिशत की साल दर साल वृद्धि के साथ 18.5 करोड़ रुपये रहा। इबीआइटीडीए में 66 प्रतिशत की साल दर साल वृद्धि हुई और यह वित्तवर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 87 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

इस तिमाही के दौरान बैंक के मासिक विनिमय करने वाले यूज़र्स 62 प्रतिशत की साल दर साल वृद्धि के साथ 100 मिलियन से ज्यादा थे। वार्षिक सकल मर्चेंडाईज़ वैल्यू 4,000 करोड़ रुपये के करीब पहुँच गई, जिससे प्रदर्शित होता है कि लोगों द्वारा बैंक के डिजिटल बचत खाते, मर्चेंट प्रस्तावों और अन्य उत्पादों को अपनाए जाने में वृद्धि हो रही है। ग्राहकों के बैलेंस में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई और यह 42 प्रतिशत की साल दर साल वृद्धि के साथ 3,332 करोड़ रुपये को पार कर गया। इस वृद्धि में एयरटेल पेमेंट्स बैंक की डिजिटल पेशकशों को मजबूती से अपनाए जाने से मदद मिली। अपने दैनिक लेन-देन के लिए ज्यादा ग्राहक सुरक्षित डिजिटल खाते को चुन रहे हैं। यह बैंक बी2बी अर्बन ट्रांज़िट सेगमेंट में भी सबसे आगे है, जो आज तक 1.7 मिलियन से अधिक रूपे एनसीएमसी इनेबल्ड कार्ड जारी कर चुका है।

ज्योति कलश रथ शहर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ गायत्री करौली कुण्ड पहुंचा

अलवर (का.सं.)

गायत्री परिवार अलवर ने शान्तिकुंज हरिद्वार से आये ज्योति कलश रथ को जगन्नाथ मन्दिर पुराने कटला से सर्राफा बाजार, बजाजा बाजार, होपसर्कस, घंटाघर, पंसारी बाजार, पुलिस कंट्रोल रूम, मोइना की प्याउ होते हुए गायत्री शक्तिपीठ करौली कुण्ड अलवर तक भव्य शोभायात्रा, के साथ निकाला। शोभायात्रा में सबसे आगे घोड़ी पर गायत्री परिवार मिशन की ध्वजा लेकर एक युवती बेठी थी। उसके पीछे 151 महिलायें सिर पर मंगल कलश लिए हुए थी, बैंड की ध्वनि के पीछे भव्य ज्योति कलश रथ जिसके दोनों ओर जलती हुई मशाल लेकर दो युवक चल रहे थे। पीछे गायत्री परिजन पीले वस्त्र सिर पर पीला स्वाफा बांधकर चल रहे थे। सबसे पीछे गायत्री माता और यज्ञ भगवान की सजीव झांकी थी। यजमान और आचार्य यज्ञ करते हुए थे। बैंड की ध्वनि के साथ भजन गाये जा रहे थे। गायत्री परिजन नारे लगा रहे थे, हम बदलेंगे युग बदलेगा, हम सुधरेंगे युग सुधरेगा, यज्ञ पिता गायत्री माता, देव संस्कृति के निर्माता, अपना अपना करो सुधार तभी मिटेगा भ्रष्टाचार, बीच बीच में गायत्री परिजन मिशन के युग शिल्पी गीत भी बैंड की ध्वनि पर गाते थे जैसे कि घर घर अलख जगायेंगे, हम बदलेंगे जमाना, हम गायत्री माँ बेटे तुम्हें जगाने आये हैं, जाग उठो अलवर के लोगों, कोई कोई महिला भजनों पर नृत्य करते हुए भी चल रही थी। यात्रा मार्ग में सभी मंदिरों पर कलश भगवान की आरती की गई और मार्ग में अनेकों श्रद्धालुओं ने ज्योति कलश का पूजन दर्शन किया शोभायात्रा को शहर विधायक एवं राज्य मंत्री, राजस्थान सरकार, संजय शर्मा एवं डा. के के गुप्ता ने जगन्नाथ मन्दिर पहुँचकर विधिवत ज्योति कलश की पूजा

आरती की उसके बाद शोभायात्रा को न केवल रवाना किया बल्कि गायत्री परिजनों के साथ साथ ज्योति कलश रथ के पीछे पीछे शोभायात्रा में तिरपोलिया तक पैदल भी चले। पूजन ज्योति कलश रथ में विराजमान वरिष्ठ गायत्री परिजन राजेन्द्र सेठी ने समपन्न कराया। इस अवसर पर गायत्री परिवार ट्रस्ट की मुख्य प्रबंध ट्रस्टी डा. सरोज गुप्ता, अन्य सभी ट्रस्टी बहिनें ज्ञान देवी शर्मा, ममता गुप्ता, शशी गुप्ता, आशा तिवारी, प्रतिभा सिंह, उर्मिला शर्मा, कार्यक्रम समन्वयक ज्ञानेंद्र शर्मा, जे पी गुप्ता, उपजोन प्रभारी दिनेश गुप्ता, जिला समन्वयक सतीश बड़ाया, पूर्व मुख्य प्रबंध ट्रस्टी सतीश सारस्वत, पूर्व जिला समन्वयक चरण सिंह चौधरी, राजगढ़ गायत्री परिवार ट्रस्ट की मुख्य प्रबंध ट्रस्टी मीना खण्डेलवाल, प्रीती विजय, किशनगढ़ बास के वरिष्ठ गायत्री परिजन मोती लाल गुप्ता सहित

अलवर शहर एवं जिले से पधारे गायत्री परिजन उपस्थित रहे। वरिष्ठ गायत्री परिजन मुरारी लाल शर्मा ने जगन्नाथ मन्दिर में गर्भ गृह के सामने सभी महिलाओं के कलश का पूजन करवाया। ज्योति कलश रथ कल दिनांक 13 फरवरी को डीग जालूका के रास्ते अलवर गायत्री शक्तिपीठ पहुचा था जहाँ सायंकाल 6 बजे केन्द्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र सिंह यादव ने शक्तिपीठ पहुँचकर कलश पूजन, आरती की। 15 फरवरी से 24 फरवरी तक कलश अलवर शहर की विभिन्न कौलोनियों, मौहल्लों में भ्रमण करेगा। 15 फरवरी कोज्योति कलश रथ अलवर शहर के उत्तरी क्षेत्र में न जाकर पश्चिम क्षेत्र अर्थात पहाड़ की ओर पुलिस लाइन रथखाना, अखैपुरा, वाल्मीकि मंदर, महल चौक, डंडे वाले हनुमान, हजूरी गेट, मुंशी बाजार, हजारी मौहल्ला क्षेत्रों में जायेगी।

सार-समाचार

रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने वेल्वेट का किया अधिग्रहण

चेन्नई (का.सं.)। प्रतिष्ठित एफएमसीजी ब्रांड वेल्वेट का रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने अधिग्रहण कर लिया है। वेल्वेट, पर्सनल केयर प्रोडक्ट की सैशे-पैकेजिंग के लिए मशहूर है। रिलायंस ने एक वक्तव्य में बताया कि इस रणनीतिक अधिग्रहण के साथ ही आरसीपीएल, वेल्वेट ब्रांड में नई जान फूंकेगा और इसकी समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाएगा। यह भारतीय ब्रांडों को पुनर्जीवित करने और उन्हें पुनः मार्केट में पेश करने की रिलायंस की प्रतिबद्धता को दिखाता है। आरसीपीएल के सीओओ केतन मोदी ने कहा, हम वेल्वेट का रिलायंस परिवार में स्वागत करते हुए रोमांचित हैं। वेल्वेट का इनोवेशन और लाखों लोगों तक पर्सनल केयर पहुँचाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका, वास्तव में उल्लेखनीय है। हम इस विरासत को आगे बढ़ाने, और वेल्वेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए उत्साहित हैं। वेल्वेट संस्थापक डॉ. सी. के. राजकुमार को सैशे किंग के रूप में जाना जाता है। उन्होंने 1980 में व्यवसाय की कमान संभाली और उनके एक अभूतपूर्व मार्किट आइडिया से पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स की पहुंच हर भारतीय घर तक हो गई। सुजाता राजकुमार और अर्जुन राजकुमार ने कहा, हम रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के साथ मिलकर काम करने और वेल्वेट के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत करने को लेकर बेहद रोमांचित हैं।

श्याम मंदिर में श्याम नाम की मेहंदी के कार्यक्रम का आयोजन हुआ

अलवर (का.सं.)। शहर के ब्रह्मचारी मोहल्ला स्थित श्याम मंदिर में 14 से 18 फरवरी तक श्याम मेले का आयोजन किया जाएगा। संजय जैन ने बताया कि शुक्रवार 14 फरवरी को सुबह 10 बजे अखंड ज्योत प्रज्जवलित की गई, इसके बाद श्याम नाम की मेहंदी कार्यक्रम का आयोजन हुआ, शनिवार 15 फरवरी को सुबह 10 बजे ध्वजारोहण और हवन का कार्यक्रम आयोजित होगा और शाम 6 बजे सुंदरकांड का पाठ होगा, 16 फरवरी रविवार को सुबह 11.30 बजे ब्रह्मचारी मोहल्ला स्थित श्याम मंदिर से शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा प्रमुख मार्गों से होती हुई वापस ब्रह्मचारी मोहल्ला स्थित श्याम मंदिर पहुंचेगी, ओर 17 फरवरी को शाम 7 बजे श्याम बाबा का जागरण होगा, जिसमें जयपुर से महेंद्र स्वामी, रेवाड़ी से जॉनी मौला, और अलवर से महेंद्र अमन, संजय शर्मा, कमल कन्हा, अमित शर्मा श्याम बाबा के भजन प्रस्तुत करेंगे, ओर 18 फरवरी मंगलवार को दोपहर 12 बजे प्रसाद वितरण होगा। इसी के साथ पांच दिवसीय कार्यक्रम का समापन होगा।

मातृ उत्सव मनाया

अलवर (का.सं.)। शीलारानी अरोड़ा बालिका माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर, राजेन्द्र नगर, स्कीम 4 में मातृ उत्सव (पूजन) कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलन कर अध्यक्ष डॉ. चन्द्रावती चौधरी, व्यवस्थापक जगदीश पवार प्रधानाचार्या राजकोर ने शुरू किया। इस दौरान बहिनों ने अच्छी प्रस्तुतियाँ दी, जिसमें तू कितनी अच्छी है, हाथों से मैंने अपने खुआवें, कविता - माँ ममता की मूरत, अंगूली पंकड के फिर से तूने चलना सिखाया। ऐसा क्यू माँ आदि कार्यक्रम कराये गये और 104 माताओं एवं दादाजी एवं 03 नानीजी 105 पितृ कुल 113 संख्या उपस्थित रहीं। सभी माता-पिता मातृ-पित को तिलक, अक्षत फूल मालाएँ , प्रसाद मैं लड्डू खिलाये गये। कार्यक्रम में सभी ने अपने सुझाव दिये।

नि:शुल्क राशन किट का किया वितरण

अलवर (का.सं.)। श्री मानव सेवा समिति गोविंदगढ़ के तत्वावधान में 264वाँ नि:शुल्क राशन किट वितरण कार्यक्रम एवं नि:शुल्क स्वरुचि भोज समारोह 16 फरवरी रविवार को प्रात: 10 बजे मोती कुंजी की धर्मशाला गोविंदगढ़ में आयोजित किया जाएगा। 22 वर्षों से संचालित इस समिति के मीडिया प्रभारी ओमदीप पुनैया ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राकेश गर्ग गोविंदगढ़ होंगे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में इंदर लाल अग्रवाल, समाजसेवी गोविंदगढ़ होगें एवं अध्यक्षता योगेन्द कुमार शर्मा, मण्डल अध्यक्ष भाजपा गोविंदगढ़ करेंगे। गौरतलब है कि यह संस्था गोविंदगढ़ उपखंड़ क्षेत्र की एकमात्र संस्था है जो क्षेत्र में ,वृद्ध, विकलांग, विधवा, निर्धन, बेसहारा परिवारों को हर माह नि:शुल्क राशन किट का वितरण करती है एवं प्रतिदिन निशुल्क भोजन कार्यक्रम आयोजित करती है।

आज का राशिफल

मेष करियर में उन्नति के योग हैं। तरक्की मिल सकती है और मन प्रसन्न रहेगा। पुराने दोस्त मददगार साबित होंगे।

वृषभ आज करियर में लाभ होगा। सुख-समृद्धि बढ़ेगी। लेकिन, जायदाद के मामले में नुकसान हो सकता है।

मिथुन आज करियर में लाभ के योग हैं। नई योजनाएं बनाएंगे। कर्ज उतारने में सफल होंगे।

कर्क आज करियर में लाभ होगा। बुद्धि बढ़ेगी और तरक्की होगी। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी।

सिंह आज करियर में लाभ होगा और सुख बढ़ेगा। यात्रा सफल रहेगा। मन खुश रहेगा।

कन्या आज दिन सफलता से भरा रहेगा। कारोबार में अच्छा मुनाफा होगा। विवाद खत्म होंगे।

तुला आज करियर में सफलता मिलेगी। धन प्राप्ति होगी। नौकरी वालों के अधिकार बढ़ेंगे।

वृश्चिक आज करियर में सफलता और तरक्की मिलेगी। किसी बड़े अधिकारी से मुलाकात होगी।

धनु आज सफलता और तरक्की मिलेगी। पूजा-पाठ में रुचि बढ़ेगी। नए व्यापार में लाभ होगा।

मकर आज लाभ होगा और पराक्रम बढ़ेगा। आपके बात करने के तरीके से आपको सफलता मिलेगी।

कुंभ रुके हुए कार्य पूर्ण होने से मन काफी प्रसन्न होगा। कुछ झंझट और खर्च करने पड़ेंगे।

मीन आज दिन सफलता से भरा रहेगा। पराक्रम बढ़ेगा। संतान से खुशखबरी मिलेगी।

आरयूआईडीपी द्वारा प्रोजेक्ट पर आधारित फोटोज, रील्स और केस स्टडीज ऑन इनोवेटिव इंजीनियरिंग सोल्यूशंस पर प्रतियोगिता का आगाज

तिजारा (नि.सं.)

राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना यानी (आर यूआईडीपी) अपने 25 वर्ष पूर्ण होने पर आरयूआईडीपी सिल्वर जुबली फोटोग्राफी एंड रील मेकिंग कॉन्टेस्ट और केस स्टडीज कॉन्टेस्ट फॉर इनोवेटिव इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस का आयोजन होगा जिसका विधिवत्त आगाज परियोजना निदेशक,आरयूआईडीपी पीयूष सामरिया, आई.ए.एस. द्वारा किया गया। इस अवसर पर दोनों प्रतियोगिताओं के पोस्टर्स का विमोचन किया गया।

इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए परियोजना की वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स पर दिए गए लिंक और क्यूआर कोड के जरिए प्रतियोगिता की विस्तृत जानकारी ली जा सकती है और फोटोज, रिल्स और केस स्टडीज को अपलोड किया जा सकता है। फोटोग्राफी एंड रील मेकिंग प्रतियोगिता का थीम क्रिएटिंग अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर चेंजिंग लाईव्स रखा गया है। प्रतियोगिता में भेजे

जाने वाले फोटोज या रिल्स परियोजना द्वारा किए जा रहे पेयजल आपूर्ति और सीवरेज कार्यों और उनसे होने वाले लाभों पर केंद्रित होने चाहिए। फोटोग्राफ या रिल्स आर यू आईडीपी के प्रोजेक्ट शहरों में खींचे या रिकॉर्ड किए गए हो एवं रिल्स की अवधि 1 मिनट से अधिक नहीं होनी चाहिए। प्रतियोगिता में फोटोग्राफी के लिए ज्यूरी द्वारा चुने गए विजेताओं के लिए प्रथम पुरस्कार 25 हजार, द्वितीय पुरस्कार 15 हजार व तृतीय पुरस्कार 10 हजार रूपए रखा गया है।

इसके अलावा 5000 की राशि के 10 सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इसी तरह रिल्स के लिए ज्यूरी द्वारा चुने विजेताओं को प्रथम पुरस्कार 15 हजार, द्वितीय पुरस्कार 10 हजार व तृतीय पुरस्कार 5 हजार रूपए रखा गया है। इनके आवेदन की अंतिम तिथि 28 फरवरी 2025 रखी गई है। केस स्टडीज कॉन्टेस्ट फॉर इनोवेटिव इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस के अंतर्गत शहरी क्षेत्र में जल संरक्षण, ट्रीटेड वेस्टवाटर के पुनरुपयोग और एन आर डब्ल्यू कम करने से संबंधित इनोवेटिव इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस से संबंधित केस स्टडीज आमंत्रित की गई है। इंजीनियरिंग केछात्र, पास आउट छात्र, इंजीनियरिंग कॉलेज के टीचर्स व थीम से संबंधित क्षेत्र के स्टार्टअप्स में कार्यरत इंजीनियर अपनी केस स्टडीज भेज सकते हैं। केस स्टडी ऑरिजिनल होनी चाहिए और कहीं भी पब्लिश नहीं की गई हो। ज्यूरी द्वारा चुनी गई बेहतरीन केस स्टडीज के लिए प्रथम पुरस्कार 50हजार, द्वितीय पुरस्कार 25हजार और तृतीय पुरस्कार ?15हजार रखा गया है। इस प्रतियोगिता के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 11 मार्च 2025 है। दोनों ही प्रतियोगिताओं के लिए आवेदक भारत का नागरिक होना चाहिए और उसकी आयु 18 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। प्रतियोगिताओं के उद्घाटन और पोस्टर्स विमोचन के अवसर पर आर यूआईडीपी के अतिरिक्त परियोजना निदेशक प्रथम व द्वितीय डी.के मीणा व डॉक्टर हेमंत कुमार शर्मा, रूडसिको के मुख्य अभियंता अरुण व्यास, आरयूआईडीपी की वित्तीय सलाहकार जिज्ञासा गौड, रूडसिको के महाप्रबंधक (वित्त) उम्मेद सिंह के अलावा आरयूआईडीपी के अतिरिक्त मुख्य अभियंता के. के. नाटाणी उपस्थित रहे। गौर तलब है कि परियोजना द्वारा चतुर्थ चरण के अंतर्गत 41 शहरों में आधारभूत विकास कार्य किये जा रहे हैं जिसमें पेयजल आपूर्ति, सिवरेज, फिकल स्लज एंड सेप्टेज मैनेजमेंट, ड्रेनेज एवं शहरी सौंदर्यीकरण कार्य शामिल है।

महाशिवरात्रि पर्व 2025 पशुपतिनाथ, शिव कथा को लेकर बैठक आयोजित कर की आगामी तैयारी की रूपरेखा तैयार

अलवर (का.सं.)

त्रिपोलश्वर शिव शक्ति सेवा समिति की बैठक समिति कार्यालय पर जितेंद्र खेड़ापति की अध्यक्षता में रखी गई जिसमें आगामी कार्यक्रम महाशिवरात्रि 2025 भगवान पशुपतिनाथ शिव कथा व कलश यात्रा शोभायात्रा हेतु महिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई जिसमें श्रीमती सुशीला गोयल को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष वैशाली जसोरिया , मंत्री किरन जादौन उप मंत्री सपना शर्मा, प्रचार मंत्री अंजू गोयल, संगीता हल्दिया, अंजनी, भावना, कानूनी सलाहकार एडवोकेट रचना गोयल को बनाया गया अलवर में तृतीय बार भगवान पशुपतिनाथ कथा, शिवा पूजा, शिव महिमा का 19 फरवरी से नौ दिवसीय कार्यक्रम फरवरी माह में आयोजित होने जा रहा है। मंदिर महंत जितेंद्र खेड़ापति की अध्यक्षता में भक्त जनों ने बैठक कर भगवान के इस आयोजन व महाशिवरात्रि पर्व को धूमधाम से मनाए जाने का निर्णय लिया। समिति की ओर से वैभव शर्मा ने बताया कि भगवान पशुपतिनाथ की कथा का तृतीय बार श्रवण अलवर शहर वासियों को सुनने का अवसर मिलेगा ।साथ ही सुंदर झांकियां के साथ शिव विवाह व गोरखनाथ की सुंदर झांकियां कथा के मध्य में दिखाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि अभय समाज के रंग मंच पर 20 फरवरी से 24 फरवरी तक दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक आचार्य दीपक अवस्थी द्वारा पांच दिवसीय भगवान पशुपतिनाथ एवं शिव कथा का आयोजन किया जाएगा। 19 फरवरी को सवा ग्यारह बजे गौरी गणेश पूजन एवं निमंत्रण का कार्यक्रम होगा। 20 फरवरी को सुबह सवा 9 बजे सुभाष चौक कटला से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी जो कथा स्थल अभय समाज तक पहुंचेगी। इसी तरह 25 फरवरी को शाम 5:15 बजे नगर भ्रमण कार्यक्रम होगा जो अभय समाज से शुरू होगा और शहर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ त्रिपोलिया महादेव मंदिर पहुंचेगी। इसी तरह 26 फरवरी को वरमाला महोत्सव का कार्यक्रम होगा महाआरती होगी। यह आयोजन रात सवा नौ बजे त्रिपोलिया महादेव मंदिर में किया जाएगा। इसी तरह 27 फरवरी को सुबह सवा दस खप्पर व नाथ पूजा का कार्यक्रम त्रिपोलिया महादेव मंदिर में किया जाएगा। 9 दिवसीय कार्यक्रम के दौरान मिट्टी के महादेव बना कर पार्थिव शिवलिंग का पूजन व महा आरती का आयोजन होगा, शोभायात्रा में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर्यावरण रहेंगे। आओ मिलकर साथ चले धरती का श्रृंगार करें वह गुरु गोरखनाथ की सुंदर झांकि व नंदी पर सवार महादेव आदि सुंदर झांकियां शोभायात्रा में रहेगी। महंत ने बताया कि शोभायात्रा में महिला भक्ति एक ही पोशाक में कलश लेकर वरुण देव का आवाहन करते हुए शहर के मुख्य मार्ग से निकलेगी।

पुलवामा शहीदों को दी श्रद्धांजलि, मातृ-पितृ दिवस मनाया

अलवर (का.सं.)

श्री आदिनाथ जैन शिक्षण संस्थान अलवर के अध्यक्ष अशोक कुमार जैन अगोनिज के निर्देशन में 14 फरवरी साल 2019 में आज के ही दिन पुलवामा में हुए कायराना आतंकी हमले में वीरगति को प्राप्त हुए जवानों को सम्पूर्ण संस्थान की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर जवानों को सम्पूर्ण संस्थान में श्री जैन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. अनीता सोनी ने, श्री आदिनाथ जैन पी0 जी0 महाविद्यालय में उप-प्रधानाचार्य एंड्रीन फेंक, उप-प्रधानाध्यापिका अल्पना जैन ने शत-शत नमन किया। साथ ही इस श्रद्धांजलि में संस्थान के सभी प्रवक्तागण व विद्यार्थियों ने भी भावपूर्ण श्रद्धांजलि देकर शत-शत नमन किया। इसके साथ ही श्री जैन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में प्राचार्य अनीता सोनी के निर्देशन में मातृ-पितृ दिवस मनाया गया और दीप प्रज्जवलन कर कार्यकम को आगे बढ़ाया। साथ ही आये हुए अतिथि के रूप में लोकेश कुमार जी का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में डॉ. ऊषा जैन ने भी एक सच्ची घटना पर अपनी कविता प्रस्तुत की नारी के स्वयं वचन। इसके बाद महाविद्यालय की छात्राध्यापिकाओं वैभवी, सारा, चाँदनी बैरवा, आरती मीणा, राजनन्दिनी, कनिका वशिष्ट, रिया मीणा, कोमल सैनी, मोनिका गौड़, याशिका सैनी ने भी अपनी कविता

प्रस्तुत की एंव सभी ने मातृ-पितृ दिवस पर अपने विचार प्रस्तुत किये। अंत में डॉ. अनीता सोनी ने कहा कि आज हमारे माता-पिता हमारे जीवन का आधार है यह अनोखा अवसर है, जब हम अपने माता-पिता की सेवा कर पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे है। सभी बच्चों को माता-पिता की महिमा बताई गई और संकल्प दिलाया गया कि वे हमेशा अपने माता-पिता का सम्मान करेंगे साथ ही उन्होनें कहा कि माता-पिता बच्चों के लालन-पालन पोषण करने में कई कष्ट सहते है, अत: हमे काबिल बनकर न केवल मातृ-पितृ ऋण से मुक्त होना है अपितु उनकी सेवा कर अपने दायित्व का निर्वहन भी करना है।

माधवानंद आश्रम में वार्षिक पाटोत्सव समारोह कल

नारायणपुर (नि.सं.)। कस्बे के खोड मोहल्ले में स्थित माधवानंद आश्रम में 16 फरवरी को वार्षिक पाटोत्सव समारोह धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर भक्ति और आध्यात्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला चलेगी। मंदिर की साध्वी विदुषी सरस्वती ने बताया कि 15 फरवरी को भजन गायक राधेश्याम गंधर्व द्वारा भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें भक्तिभाव से ओत-प्रोत प्रस्तुति दी जाएगी। इसके अगले दिन, 16 फरवरी को दोपहर 12:15 बजे से भंडारा आयोजित किया जाएगा, जहां श्रद्धालु पंगत प्रसादी ग्रहण करेंगे। साथ ही, रामानंद महाराज के सानिध्य में विशेष फाग महोत्सव भी मनाया जाएगा, जिसमें भक्ति रस और होली के रंगों की छटा देखने को मिलेगी।

सार-समाचार

नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर आयोजित

अलवर (का.सं.)। रिक्रूट प्रशिक्षण केंद्र, अलवर में संदीक्षा, बल मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देशन पर संदीक्षा अध्यक्ष सोनिया यादव की अध्यक्षता में नि:शुल्क चिकित्सा जाँच शिविर का आयोजन कराया गया। इस शिविर का उद्देश्य बलकर्मियों के परिवारों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना था। शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्ञानेंद्र बंसल, कम्युनिटी हेल्थ सेंटर, लक्ष्मणगढ़ एवं डॉ. दिनेश कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी द्वारा परामर्श, स्वास्थ्य जांच, दवाइयां और आवश्यक चिकित्सा सेवाएं दी गईं। इसमें विशेष रूप से जनरल हेल्थ चेकअप, ब्लड प्रेशर, शुगर जांच और अन्य चिकित्सा सुविधाएं शामिल थीं। इस आयोजन का लाभ संदीक्षा परिवार ने उठाया और इसे काफी सराहा भी यह पहल बलकर्मियों के परिवारों के लिए स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आरती बालिका गृह का निरीक्षण कर आवासित बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया

अलवर (का.सं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन पर तहसीलदार अलवर श्रीमती रश्मि शर्मा ने आज आरती बालिका गृह का निरीक्षण कर निर्वासित बालिकाओं के स्वास्थ्य, खानपान, साफ-सफाई एवं रहने की व्यवस्थाओं का जायजा लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। तहसीलदार श्रीमती शर्मा ने निरीक्षण के दौरान निर्वासित बालिकाओं से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली एवं वहां की व्यवस्थाओं व उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने आरती बालिका गृह संचालक श्री चेतराम सैनी व केयर टेकर श्रीमती मीरा सैनी से कहा कि बालिकाओं की समय-समय पर स्वास्थ्य की जांच करावे। साथ ही बालिका गृह में साफ-सफाई आदि का विशेष ध्यान रखा जावे।

जिले के विभिन्न स्थानों पर 18 फरवरी से 7 मार्च तक आयोजित होंगे शिविर

अलवर (का.सं.)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक लक्ष्मण सिंह ने बताया कि बजट घोषणा 2024-25 के तहत जिले में दिव्यांगजनों के पंजीकरण बढाने एवं उन्हें संबल प्रदान करने हेतु संयुक्त सहायता योजनान्तर्गत कृत्रिम अंग व सहायक उपकरणों से लाभांवित करवाने के उद्देश्य से विशेष योग्यजनों के आवेदन प्राप्त करने के लिए ब्लॉक वार शिविरों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 18 फरवरी को अलवर शहर के राजकीय अस्पताल, 20 फरवरी को पंचायत समिति परिसर थानागाजी, 24 फरवरी को पंचायत समिति परिसर लक्ष्मणगढ, 25 फरवरी को पंचायत समिति परिसर गोविन्दगढ, 27 फरवरी को पंचायत समिति परिसर रैणी, 28 फरवरी को पंचायत समिति परिसर कठूमर, 3 मार्च को पंचायत समिति परिसर राजगढ, 5 मार्च को पंचायत समिति परिसर रामगढ एवं 7 मार्च को पंचायत समिति परिसर मालाखेडा में प्रात: 10 बजे से सांय 5 बजे तक कैम्प आयोजित होंगे।

फार्मर रजिस्ट्री शिविर में अब तक बनी 9908 किसानों की फार्मर आईडी

अलवर (का.सं.)। एग्रीस्टैक योजना के तहत किसानों को सशक्त करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे किसान रजिस्ट्री शिविर में आज जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित हुए जिसमें अब तक 9908 किसानों की आईडी बनाई गई एवं 10986 किसान केवाईसी तथा 9908 किसान भूमि सत्यापन किए गए। इस दौरान उपस्थित किसानों को केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभांवित कराया गया। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि किसान रजिस्ट्री शिविरों में अब तक जिले की तहसील क्षेत्रों में 9908 किसानों की आईडी बनाई गई तथा अलवर जिले में जिला प्रशासन द्वारा नवाचार करते हुए इन शिविरों में केंद्र व राज्य सरकार की अन्य योजनाओं का लाभ भी किसानों को दिया जा रहा है।

कार्यालय नगर परिषद् तिजारा, खैरथल-तिजारा

क्रमांकः 50004 दिनांक 14.02.2025

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 17.6.1999 से पूर्व/पश्चात् के तहत कृषि भूमि/अकृषि/आबादी में बसी कालोनियों में भूखण्डों के आवासीय/वाणिज्यिक/संस्थानिक/नियमन हेतु निम्न आवेदकों द्वारा जरीये दस्तावेजों से पत्रावलियां प्रस्तुत की है। यदि किसी व्यक्ति/फर्म/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशित होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर मय साक्ष्य प्रस्तुत करें। म्याद गुजरने की अवधि को पश्चात् किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा तथा बाद समस्त जांच के आवेदक की भूमि रुपान्तरण पट्टा जारी कर दिया जायेगा। आवेदक द्वारा आवेदन पत्र के साथ संलग्न किये गये दस्तावेजों की जानकारी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

क्र.स. 1. नाम आवेदनकर्ता : श्रीमती पूनम पत्नि श्री सुनील कुमार निवासी बिरामपुर तिजारा
खसरा नं:-130,131,132,133,134 क्षेत्रफल:-138.88 वर्गमीटर

आयुक्त नगर परिषद् तिजारा (खैरथल-तिजारा)

आम-सूचना

मैं भूतेर पत्नी श्री सुखराम उम्र करीब 35 साल, जाति गुर्जर, निवासी ग्राम शाहडोढ, तहसील टपूकडा जिला खैरथल तिजारा राजस्थान शपथपूर्वक बयान करती हूँ कि मेरे दो पुत्र हैं- बिनेश जिसकी जन्मतिथि- 02.12.2009 व दूसरा पुत्र मनोज जिसकी जन्मतिथि- 01.06.2011 है जो कि सही व सत्य है। मेरे दोनों पुत्रों के स्कूली रिकॉर्ड में बिनेश के स्थान पर बीनेश व जन्मतिथि- 02.12.2009 के स्थान पर 02.11.2009 दर्ज है तथा मनोज की जन्मतिथि-01.06. 2011 के स्थान पर 10.06.2011 दर्ज है तथा मेरा नाम भूतेर के स्थान पर रामभतेरी दर्ज किया हुआ है जो कि गलत है, जबकि मेरा नाम भूतेर व मेरे पुत्र का नाम बिनेश जिसकी जन्म तिथि-02.12.2009 है व मनोज की जन्मतिथि-01.06.2011 है जो कि सही व सत्य है। अतः मेरे दोनों पुत्रों के स्कूली रिकॉर्ड में उनका नाम व मेरा नाम तथा उनकी जन्मतिथि सही दर्ज की जावे। इसमे कोई भी तथ्य गलत पाया जाता है तो उसके लिये मैं स्वंय जिम्मेदार रहूँगी।

भूतेर, शपथकर्ता

Municipal Corporation Alwar (Raj.)

Sr.No./MCA/NIRMAN /2024/4094-97 Dt. 13.02.2025

Nit No./51 /2024-25 E-Procument Notice Inviting Bid

Bid for civil work of" अम्बेडकर नगर स्तिथ फायर स्टेशन पर बोरिंग निर्माण कार्य "at Municipal Corporation Alwar invited for interested bidders up to 20.02.2025 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal(http://sppp.raj.nic.in & www.eproc.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is 8.41 lac.

UBN No.	TENDER ID
DLB2425WSOB17104	2025_DLB_447781_1

Raj.Samwad/C/24/11737

Commissioner
Municipal Corporation,Alwar

RAJASTHAN HOUSING BOARD

No. :- 242 Dated :- 13/02/2025

NIT : 05/2024-25

Bids for 1. Construction of HIG- 12 Nos. houses under SFS scheme at Sector 02, Bari road, Dholpur 2. Construction of HIG 08 Nos. and MIG-B 03 Nos. houses under SFS at Sector 04 & 07, Bhiwadi 3. Construction of Boundary wall at Khori Kalan Scheme, Bhiwadi are invited from interested bidders from 18.02.2025 (6.00 PM) to 10.03.2025 upto 6.00 PM. Other particular of bid may be visited on the procurement portal **(http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in)** of the state & **https://rhb.rajasthan.gov.in/** Department Website.

UBN No. :- RHB2425WSOB00339 To RHB2425WSOB00341

Raj.Samwad/C/24/11726

Addl. Chief Engineer-III

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक-सुशील झालानी के द्वारा डी.बी. कार्प लिमिटेड, दिल्ली रोड़, मूंगस्का, अलवर से मुद्रित एवं 19 विकास पथ अलवर से प्रकाशित। **सम्पादक : सुनील बिज्जू (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)**